बर्षः- 05
अंकः- 299
मुरादाबाद
(Saturday)
21 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने यूरोपीय देश के प्रिंस से की मुलाकात, सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

भारत में पहली बार आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आज पांचवां दिन है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहे इस ऐतिहासिक समागम में 100 से अधिक देशों के तकनीकी धुरंधर शिरकत कर रहे हैं।भारत-जर्मनी एआई पैक्ट से तकनीकी सहयोग को मिलेगी नई गति- जर्मन मंत्री कार्स्टन वाइल्डबर्गर- भारत-जर्मनी के बीच हाल ही में हुए एआई समझौते का स्वागत करते हुए जर्मनी के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और गवर्नमेंट मॉडर्नाइजेशन मंत्री कार्स्टन

वाइल्डबर्गर ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच बढ़ती तकनीकी और एआई साझेदारी को और तेज करने में मदद करेगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान वाइल्डबर्गर ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि वह इस आयोजन से बेहद उत्साहित होकर लौट रहे हैं। उन्होंने समिट के पैमाने और चर्चाओं की गुणवत्ता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मैं यहां से बेहद ऊर्जावान होकर जा रहा हूं, यह एक शानदार आयोजन रहा। मैं इस कार्यक्रम के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। यहां सुरक्षा, पहुंच और ओपननेस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। वाइल्डबर्गर ने आगे कहा कि भारत और जर्मनी के बीच हुआ एआई पैक्ट भविष्य में दोनों देशों को एआई क्षेत्र में मिलकर आगे बढ़ने और सहयोग को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।अमेरिका के आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। अमेरिकी विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, हेलबर्ग 20 और 21 फरवरी तक भारत दौरे पर रहेंगे। वह व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी के निदेशक माइकल क्रैट्सियोस के नेतृत्व में आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ समिट में शामिल हुए हैं। अमेरिकी विभाग ने बताया कि अपने दौरे के दौरान हेलबर्ग द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लेंगे और सम्मेलन को संबोधित भी करेंगे। अपने संबोधन में वह भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और उभरती प्रौद्योगिकियों, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, में साझेदारी को आगे बढ़ाने पर जोर देंगे। साथ ही, वह एआई एक्शन प्लान के तहत अमेरिकी एआई एक्सपोर्ट्स प्रोग्राम के अगले चरण को आगे बढ़ाने से जुड़े प्रयासों पर भी चर्चा करेंगे।भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले गोयल?

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (स्न्नङ्ग) को लेकर कहा कि पहली बार यूरोपीय संघ के सभी 27 देश इस समझौते को जल्द अंतिम रूप देने और आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की आर्थिक शक्ति और बढ़ते वैश्विक प्रभाव का परिणाम है। साथ ही गोयल ने कहा कि सरकार देशभर में 1000 युवा पुरुषों और महिलाओं को जोड़ने की योजना बना रही है, जिन्हें प्रशिक्षित कर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा ताकि वे पूरे देश में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और सरकारी समर्थन से जुड़े संदेश को लोगों तक पहुंचा सकें।भारत मंडपम के बाहर भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर अर्धनग्न होकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की।केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार एक कंप्लीट्ढ्ढ स्टैक विकसित करने पर विचार कर रही है, जो अनाम (अनोनिमाइज्ड) डेटा सेट्स पर आधारित होगा और शोधकर्ताओं तथा स्टार्टअप्स के लिए सुलभ बनाया जाएगा, ताकि नवाचार की अगली लहर को गति दी जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और डेटा तक सुरक्षित व जिम्मेदार पहुंच सुनिश्चित करना है, जिससे उभरती कंपनियां और शोध संस्थान उन्नत एआई समाधान विकसित कर सकें। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि एआई प्रणालियों के लिए एक ऑडिट ट्रेल मैकेनिज्म विकसित किया जाना चाहिए, जिससे एआई मॉडल के उपयोग, निर्णय प्रक्रिया और जवाबदेही को बेहतर ढंग से ट्रैक किया जा सके। चौधरी ने भविष्य में संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (ष्टत्र) जैसी संस्थाओं द्वारा एआई मॉडलों पर ऑडिट रिपोर्ट जारी किए जाने की संभावना भी जताई। उनके अनुसार, इससे एआई के उपयोग में पारदर्शिता और भरोसा बढ़ेगा।

प्रियंका गांधी CM हिमंत पर हमलावर, कहा- सामाजिक मुद्दों पर ध्यान दें, गौरव गोगोई का किया बचाव

गुवाहाटी में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने असम के मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने गौरव गोगोई पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को निजी हमलों के बजाय विकास और रोजगार पर ध्यान देना चाहिए। प्रियंका ने गायक जुबीन गर्ग को राजनीति से दूर रखने की भी अपील की।कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को असम के गुवाहाटी मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि वे राज्य के विकास और युवाओं को रोजगार देने के बजाय निजी हमलों में उलझे हुए हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि शासन और विकास पर ध्यान देने की जगह मुख्यमंत्री का पूरा जोर विरोधियों पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने पर है।गौरव गोगोई पर आरोपों को बताया बेबुनियाद- सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान से संबंध होने के गंभीर आरोपों पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए प्रियंका गांधी ने सीएम सरमा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झूठे आरोपों के सहारे किसी के परिवार और बच्चों को निशाना बनाना पूरी तरह गलत है। प्रियंका ने कहा, %झूठ फैलाकर किसी के परिवार पर हमला करने की कोई जरूरत नहीं है। इसके बजाय मुख्यमंत्री को असम की भलाई के लिए काम करना चाहिए। आज असम के युवाओं को नौकरियों और रोजगार के मौकों की सख्त जरूरत है।उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि असम की जनता गौरव गोगोई पर मुख्यमंत्री की तरफ से लगाए गए ऐसे आरोपों पर कभी भरोसा नहीं करेगी। प्रियंका ने गौरव गोगोई का बचाव करते हुए उन्हें एक सकारात्मक नेता बताया जो मूल्यों पर आधारित राजनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव नजदीक आते देख मुख्यमंत्री डर का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जुबीन गर्ग को राजनीति से दूर रखने की अपील- इस दौरान प्रियंका गांधी ने मशहूर असमिया गायक जुबीन गर्ग से जुड़े विवाद पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि कलाकारों को सियासी लड़ाई से दूर रखा जाए। उन्होंने जुबीन गर्ग को राज्य का सांस्कृतिक प्रतीक बताते हुए कहा, जुबीन गर्ग असम की आत्मा हैं। वह एक ऐसे इंसान हैं जो राजनीति से ऊपर हैं। उन पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। राहुल गांधी के मानहानि केस पर क्या बोलीं प्रियंका?- इसके साथ ही कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने अपने भाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का बचाव किया। उन्होंने 2018 के मानहानि केस का जिक्र करते हुए कहा कि आज के राजनीतिक माहौल में सबसे ज्यादा केस झेलना एक तरह से सम्मान की बात% (बैज ऑफ ऑनर) बन गया है। एजेंसियों का एक्शन सही रास्ते पर होने का सबूत- प्रियंका गांधी असम कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, अलग-अलग एजेंसियों की तरफ से निशाना बनाया जाना इस बात का सबूत है कि हम सही रास्ते पर हैं। जब उनसे राहुल गांधी की कोर्ट में पेशी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह ऐसी राजनीति है जहां झूठे केस दर्ज किए जाते हैं और लोगों को परेशान किया जाता है। हम कई वर्षों से यह सब बर्दाश्त कर रहे हैं। प्रियंका ने कहा, यह एक पहचान बन गई है कि जो लोग सच, विकास और जनता के साथ खड़े होते हैं, सरकार उन पर ही सबसे ज्यादा हमले करती है। सबसे ज्यादा केस, ईडी और आईटी के छापे उसी व्यक्ति पर पड़ते हैं। यह सम्मान की बात है

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी ने समिट को बताया पीआर स्टंट, सीएम फडणवीस ने बताया देश के लिए गौरव का क्षण

भारत में आयोजित एआई समिट को राहुल गांधी ने एक पीआर स्टंट बताया है। इसका जवबा देते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने इसे भारत के लिए गौरव का समय बताया है।दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट का आयोजन चल रहा है। इसी बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस आयोजन पर तंज कसते हुए इसे एक पीआर स्टंट बताया है। राहुल गांधी के इस बयान पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया दी है। फडणवीस ने कहा कि सबसे ज्यादा एआई की जरूरत राहुल गांधी को है, क्योंकि कई बार जब ह्यूमन इंटेलिजेंस यानी एचआई निष्क्रिय हो जाता है, तब एआई मदद कर सकता है। मुख्यमंत्री ने समिट के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि यह आयोजन देश के लिए बेहद अहम है और यह भारत की एआई क्षमता को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से कृत्रिम बुद्धिमता आगे बढ़ रहा है, उसने अलग-अलग क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं।ं वैश्विक नेताओं का भारत आना, देश की तकनीकी ताकत को देखना और एआई पर चर्चा करना बहुत महत्वपूर्ण है।फडणवीस ने विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में एआई के उपयोग को भारत जैसे देश के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने इस दिशा में तेज गति से काम किया है और राज्य के प्रयासों को इस मंच पर प्रदर्शित किया गया

सीएम योगी की बड़ी घोषणा, शिक्षामित्रों को 18000 तो अनुदेशकों को 17000 मानदेय

यूपी विधानसभा की कार्यवाही आज हंगामेदार रही। विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। विपक्ष ने अपने सवाल दागे, जिसका सरकार की तरफ से जवाब दिया गया। सीएम योगी ने बताया कि विश्वविद्यालयों की ओर से 5000 से ज्यादा पेटेंट की फाइलिंग हुई है जिसमें 300 से ज्यादा स्वीकृत हो चुके हैं। 2017 के पहले निजी विश्वविद्यालयों की स्वीकृति के लिए पिक एंड चूज किया जाता था। प्रदेश के छह मंडल तो ऐसे थे कि जहां एक भी विश्वविद्यालय नहीं था। हमने मां शाकुभरी विश्वविद्यालय की स्थापना की। अब इन मंडलों में विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। शिक्षामित्रों-अनुदेशकों के लिए बड़ी घोषणा सीएम ने आगे कहा कि जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय

विद्यालय नहीं हैं, वहां विद्यालय बनेंगे। इसके लिए 580 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार देंगे। शिक्षकों के लिए पांच लाख कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। यूपी में चलेगी डिजिटल एन्टरप्रेन्योर योजना सीएम ने डिजिटल एन्टरप्रेन्योर योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसके तहत गांवों में आठ हजार डिजिटल उद्यमी स्थापित करेंगे। इसमें 50 फीसदी महिला आरक्षण होगा। यूनियन बजट में कई गई सीमार्ट की घोषणा के तर्ज पर प्रदेश में महिला उद्यमी विपणन उद्योग केंद्र स्थापित किए जाएंगे। यूपी में पहले मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर की स्थिति बहुत खराब थी। हमने संस्थागत प्रसव की व्यवस्था की, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित रहें। इसके लिए एक हजार करोड़ की व्यवस्था करने जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि गरीब ब्राह्मण को ही सपा स्कॉलरशिप दे देती। 2030 तक पांच गीगवाट डाटा सेंटर क्लस्टर बनाने की योजना है। यदि कोई व्यक्ति एक कुंतल का बोरा गाड़ियों में लाद रहा है, वास्तव में यह अनह्यूमन है। इसकी जगह रोबोटिक्स ले सकता है। इसके लिए हमने 100 करोड़ की व्यवस्था की है। खेतों में दवा डालने, पेस्टीसाइड डालने से किसानों को नुकसान होता था। आज इसकी जगह ड्रोन ले रहा है। आने वाले समय एआई गेम चेंजर होने वाला है। यूपी सरकार युवाओं को फ्री में एआई टूल उपलब्ध कराएगी। इसके लिए हमने बजट में व्यवस्था की है। लखनऊ और उसके आसपास के जनपदों को स्टेट कैपिटल रीजन के रूप में विकसित करेंगे। दूसरा काशी-मिर्जापुर यानी विंध्याचल तक इकोनॉमिक जोन विकसित करने जा रहे हैं। सरकार जन विश्वास सिद्धांत के रूप में कार्यक्रम आगे बढ़ाएगी। सीएम ने कहा कि शिक्षा में ड्रॉप आउट रेट सपा के शासनकाल में लगभग 6 था। आज हम इसे 0-3 पर ले आए हैं। आठ हजार न्याय पंचायत तक कंपोजिट विद्यालय ले जाने का लक्ष्य है। पहले हर विधानसभा में एक-एक, फिर हर ब्लॉक में फिर हर न्याय पंचायत तक ले जाएंगे। जहां एक ही छत के नीचे 12वीं तक की पढ़ाई और कौशल विकास प्रशिक्षण मिलेगा। स्कूलों में शौचालय, पेयजल की व्यवस्था न होने से बच्चियां स्कूल छोड़ देती थीं। हमने हर स्कूल में इनकी सुविधा दी। इससे ड्रॉप आउट रेट कम हुआ। फटा कुर्ता पहनकर, नंगे पैर, फटा बैग लेकर बच्चे स्कूल जा रहा था। जब हमने उसे पैसा देना चाहा तो उसने नहीं लिया। उसने बताया कि भाई है लेकिन वह निजी स्कूल में जाता है। ये कहानी सुनकर हमने प्रदेशभर में हर बेटी को दो जोड़ी ड्रेस, सूज, बैग देने की व्यवस्था की। बाद में हमने सभी बच्चों देने का काम शुरू किया। किसी का जाति, मत मजहब नहीं देखा। सरकार के लिए यह पाप है, यदि सरकार ये सब देखे। उन्होंने कहा कि हमने बजट में डाटा सेंटर क्लस्टर की स्थापना की बात कही है। अब तक कई डाटा सेंटर स्थापित हो चुके हैं। जहां शुद्ध पेयजल का आभाव और खुले में शौच जाते थे लोग वहां इंसेफेलाइटिस से लोग मरते थे। हमने इनको ठीक किया, मौतों का आंकड़ा कम हो गया। सपा सरकार में हर साल 1200 से 1500 एससी, एसटी को बच्चों की मौतें होती थीं। हमने डाटा कलेक्ट किया। 2019 के बाद से इंसेफेलाइटिस का उन्मूलन हो चुका है। सीएम ने रामधारी सिंह दिनकर की कविता पढ़कर विपक्ष को घेरा। %मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का, वीरों का, धनुष छोड़कर और गोत्र क्या होता है रणधीरों का? पाते हैं सम्मान तपोबल से भूतल पर शूर, %जाति-जाति% का शोर मचाते केवल कायर क्रूर%। हमने यूपी के हर नागरिक को पूरी दुनिया के सामने गर्व के साथ सीना चौड़ा करके जाने का गौरव दिया। आज हर बड़ा उद्यमी यूपी में निवेश करने को तैयार है। सब कुछ पारदर्शी है। पिक एंड चूज कुछ भी नहीं है। कृषि एक्सपोर्ट के लिए भी हमने बजट में 100 करोड़ की व्यवस्था की है। 40 लाख ट्यूबवेल यूपी में हैं। सपा काल में न लाइट आती थी, न किसान काम कर पाता था। आज 16 लाख किसानों को फ्री बिजली दी जी रहा है। हम किसानों सोलर पैनल भी देने जा रहे हैं।

संपादकीय Editorial

The Pause System in the Address

Evoking the tradition of looking for the undesirable in the government's words during the busy budget session, Governor Shiv Pratap Shukla sets some limits. The "pause" system has been introduced in what we consider the Governor's address, a crucial document of the government or a testimony to the state's economic indicators. If the Governor did not read anything during the silence from paragraphs 3 to 16, then this represents a restricted chapter of citizen information, or rather, a new product has emerged in the category of governments. The Governor, considering it a "double engine", "single engine", and now, due to His Excellency's displeasure, a "pony government", has deducted 25 percent of the government's marks. Ironically, just as the US President was raising tariff card rates while cutting the central government's marks, the position of Governor is now bent on undermining the credibility of non-BJP governments. This should be considered an unnecessary step in the definition of democracy. We've heard non-Punjabi-speaking governors in Punjab deliver their speeches in Punjabi, so that citizens can feel that the government's voice is clear and original. To validate the accountability of an elected government in Himachal Pradesh, the governor's address to the House is credible. But now these traditions are being changed. By reading the government's fifty-page list of achievements in just two minutes, the governor upended the tradition of delivering a pre-budget address. The question now isn't why the governor did this, but rather how one works as a human being with the mindset of constitutional positions. If the position of governor of a state can't pass through the government's doors, is this a new beginning or a warning to change paths? Clearly, there must have been some resentment or shackles to walk on the path of reality, and even greetings are now a plea on the front lines of bitterness. The government must resolve the economic hurdles in the state's destiny, but to express its sentiments, it needs the voice of the Governor, who holds a constitutional position. This question, while not one of agreement or disagreement, became one of the Governor's objection, where his language didn't match the government's. Now, paragraphs 3 through 16 assume increased significance. Clearly, the truth that the government was able to convey in the state's economic context became a "pause" for the Lok Bhavan. Even before this, drafts have been divided between the government and the Lok Bhavan. Some bills, even after being passed, have been rejected due to the self-proclaimed dignity of the Lok Bhavan. Meanwhile, proposals to extend the mayor's term and remove the High Court Chief Justice's interference from the RERA selection committee and appoint a Chief or Additional Chief Secretary were removed from the scope of reconsideration and passed again. Thus, this, like the "What is this relationship?", established that the jurisdictions of two constitutional positions are colliding. This is not a good omen and is creating new assumptions for the future, deviating from traditional sensibilities. While Lok Bhavan has doubts about the government's intentions, the elected government relies on the strength of its majority rather than the Governor's objections. Overall, we can conclude that, through the lens of Lok Bhavan, the scope of governmental disagreement in Himachal Pradesh has widened to the point where freedom of speech is now faltering in the Governor's silence. Ultimately, how democratic is the essence of what the Governor is trying to prove by shackling these thirteen legs, or will this treatment of a non-BJP government now appear ,

A friendship with limitless potential

France's direct presence in the Indian Ocean and Indo-Pacific has also provided India with numerous strategic advantages. The friendship between India and France has always yielded concrete results, and we can be confident that, after being rebranded as the "Special Global Strategic Partnership," this partnership will resonate in many parts of the world. The India-France Special Global Strategic Partnership continues to deepen, encompassing cooperation in defense, technology, and AI; and support for a multipolar world. France also supported India after the 1998 nuclear tests. French President Emmanuel Macron's visit to Mumbai was not merely a formal exercise for a head of state, but also a symbol of the dynamism of India-France relations. The relationship between these two eternal allies continues to deepen. The new designation of the bilateral strategic partnership as a "Special Global Strategic Partnership" demonstrates the broad and multifaceted relationship between Paris and New Delhi. The relationship between the two countries has stood the test of time. The main reason behind this is the prioritization of strategic autonomy in foreign policy. Even during the Cold War, when Western countries adopted a policy of neglect and suspicion towards non-aligned India, France was more tolerant of India than other NATO members, as France did not want to make decisions under US pressure. After India's nuclear tests in 1998, France was the only Western power that did not impose economic sanctions on New Delhi. Moreover, it did not allow any reduction in nuclear energy cooperation. If anyone began to recognize India as an independent power center, a credible democracy, and a major economic opportunity, it was France. There has been a consistent consensus in France that India's support is essential if the European Union is to establish its identity and credibility distinct from the US and China. These sentiments were recently expressed during Macron's visit to India. Macron said that both sides are "opposed to any kind of hegemony" in areas ranging from the Indo-Pacific to technology. He also compared their relationship to a "sovereign alliance." In this context, Prime Minister Narendra Modi stated that both countries believe in a "multipolar world" and are striving to achieve that goal. The essence of this is that France and India will work together in key areas so that they are not forced to follow the path of either the US or China. It is possible that this will pave the way for a third alternative. The potential for a third alternative is not without reason. In recent times, US President Trump's disrespectful attitude towards Europe and China's aggressive trade policies have hurt Europe. This has also strengthened France's desire for a third alternative. India-France relations are also flourishing on the strategic front. This can be gauged from the fact that France has become the second largest arms exporter to India after Russia. Given the pace at which agreements are being reached for the sale and joint production of fighter jets, submarines, and engines, it would not be surprising if France overtakes Russia in the coming years. The Rafale aircraft, H-125 helicopters, Hammer missiles, Scorpene submarines, and fifth-generation jet engines co-developed and co-produced by France with India will play a crucial role in countering China and balancing power in Asia. It's also worth noting that France does not sell any lethal weapons to China or Pakistan, while Russia has been supplying China with sophisticated weapons. France-India bilateral military cooperation is not limited to weapons. Focusing on emerging and critical technologies, the two countries have established a "Joint Advanced Technology Development Group" to maintain a competitive military advantage over adversaries. Prime Minister Modi's claim that our partnership can expand "limitlessly, from the deepest oceans to the highest mountains" is no exaggeration. Innovation is another area in which France and India are pursuing several ambitious initiatives. In this regard, the "India-France Innovation Consortium" will open up immense opportunities for scientists, researchers, businesspeople, and entrepreneurs from both countries. France and India are increasingly active in areas such as AI, space, and aviation. France and India initiated the AI ??summits, known as the "Mahakumbh" (Great Kumbh). Both sides are promoting principles such as "democratizing AI" and "bridging the global AI divide." For a developing country like India to realize Modi's pledge to be among the top three global AI superpowers by 2047, the participation of France and other developed and scientifically advanced countries will be invaluable. Since France is also considered the voice of the European Union, the deepening friendship with it will have profound qualitative implications for India. The recently signed much-anticipated trade agreement with the EU is a testament to this. France is also attempting to reshape its image in Africa and is keen to implement various initiatives through triangular cooperation with India. France's direct presence in the Indian Ocean and Indo-Pacific has also provided India with numerous strategic advantages. The friendship between India and France has always yielded concrete results and we can be hopeful that after being renamed as 'Special Global Strategic Partnership', this pair will show its colours in many parts of the world.

Communists disconnected from ground reality

As a result, Congress won 18 out of 20 seats in the 2024 general elections. The future of the Left parties in the next assembly elections is uncertain. Communists and Islamists have been at loggerheads across the world, but Indian communists have been lenient towards such elements. Indian communist parties failed to grasp ground realities. They were confined to Kerala, but were wiped out in Bengal and Tripura. Misguided strategies and a soft stance on Islamic extremism caused harm. Karl Marx said, "Thank God I am not a Marxist." Chinese Communist Party Chairman Mao Zedong told Naxalite leader Kanu Sanyal and three others who visited him in 1967, "Forget whatever you learned here and work according to the conditions of your country." Unfortunately, our communist parties, divided into various sects, and their leaders have not heeded the teachings of Marx and Mao Zedong. As a result, they have gained less and lost more over the past hundred years.

Now, they are primarily influential in Kerala. Recently, when most left-wing organizations, along with some labor unions, called for a Bharat Bandh to protest the central government's policies, its impact was felt only in Kerala. Some time ago, when the Communist Party of India (CPI) celebrated its centenary, there was no stir in the country. Had the CPI (Communist Party of India) formulated its strategy keeping in mind the country's social fabric and ground realities, it would not be so weak today. The CPI split in 1964, and the Communist Party of India (Marxist) (CPI-M) was formed from it. The basis for the split was not any Indian issue, but the attitude of a large section of Indian communists towards China. In 1967, the Naxalites, who emerged from the communist faction, raised the slogan, "China's Chairman is our Chairman, and power comes from the barrel of the gun." The violent group of extremist communists who raised such slogans also split into several factions. For decades, thousands of lives were lost in the attempt to create a Red Corridor through arms from Nepal to Andhra Pradesh. For some time now, Home Minister Amit Shah has been consistently stating that he is committed to eliminating Left Wing Extremism (Maoism) by March 31, 2026. The speed at which their influence is shrinking clearly indicates that the central government is likely to achieve its stated goal. According to one estimate, approximately 12,000 people have lost their lives in the country due to Maoist violence. This includes civilians, security personnel, and Maoist violent elements. Other sources put this figure even higher. When Mao urged Indian communists to adapt their country's situation, extremist communists should have assessed the potential for militarism to succeed in a country like India.

India has a strong parliamentary system, and defeating the military and paramilitary forces is impossible. India's situation is neither like that of Russia in 1917 nor that of China in 1949. In 1917, Lenin and his party established communist rule in Russia by force of arms. This is how Mao Zedong established communist rule in China in 1949. Instead of taking up arms, India's extremist communists could have found success by contesting elections democratically, as they once attracted a large number of young people. However, even the CPI and CPI(M) contesting elections eventually weakened due to their flawed strategies and their ignorance of Indian society. The Left Front has been wiped out in Bengal and Tripura. The Left Front may also face a tough challenge in Kerala in the next assembly elections. The Left Front government in Bengal did good work in the area of ??land reform in its early days, but everything it did after that proved ineffective. To maintain public support, it extensively patronized local musclemen and encouraged Bangladeshi infiltrators, illegally enrolling them as voters. When Bangladeshi Muslim infiltrators made normal administration difficult in seven districts of Bengal, Chief Minister Buddhadeb Bhattacharya expressed serious concern. Consequently, minority voters overwhelmingly switched to the Trinamool Congress. The CPI(M) has zero representation in the current Bengal Assembly. Our communist parties portray the campaign against Islamic extremism as directed against ordinary Muslims, while the Chinese Communist Party and its government have forcibly controlled Uighur Muslims in Xinjiang province. China argues that our region is suffering from Islamic extremism and that it is our duty to protect it from terrorism. Indian communists are lenient towards Islamic extremists for votes. The Left Front in Kerala once had a cordial relationship with the radical PFI. When the Kerala DGP recommended banning the PFI, the Left Front Chief Minister refused to do so. When the PFI resorted to large-scale violence, the Kerala High Court ordered the confiscation of the assets of its members. The Left government was forced to do so. This prompted Kerala's Muslims to abandon the Left Front and join the Congress party. As a result, the Congress won 18 out of 20 seats in the 2024 general elections. The future of the Left parties in the next assembly elections is uncertain. Communists and Islamists have been face to face almost all over the world, but the communists of India are soft towards such elements.

पंचायत चुनाव: जांच में 20 हजार वोटरों के नाम कटे, मुरादाबाद में 3.25 लाख से डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन

पंचायत चुनाव से पहले एआई जांच में मिले 4.65 लाख संदिग्ध डुप्लीकेट मतदाताओं में से 3.25 लाख का सत्यापन किया जा चुका है। इसमें 20 हजार से अधिक नाम डुप्लीकेट पाए जाने पर सूची से हटा दिए गए हैं। 1.40 लाख का सत्यापन छह मार्च तक किया जाएगा।पंचायत चुनाव को लेकर जिले के बीएलओ ने करीब 3.25 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन का कार्य पूरा कर लिया है। इसमें 20 हजार से अधिक मतदाता डुप्लीकेट पाए गए। इन वोटरों का नाम सूची से हटा दिए गए हैं। इस मामले में चुनाव आयोग की ओर से सत्यापन की तिथि छह मार्च तक बढ़ाए जाने पर चुनाव में तैनात अधिकारियों ने राहत की सांस ली है।चुनाव आयोग ने एआई के माध्यम से जांच कर 4.65 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची भेजी थी। इसमें मुरादाबाद ब्लॉक के 38825, मूंढापांडे ब्लॉक के 56046, भगतपुर टांडा ब्लॉक के 59099, ठाकुरद्वारा ब्लॉक के 48644, डिलारी ब्लॉक के 61898, बिलारी ब्लॉक के 64261, कुंदरकी ब्लॉक के 78779 और छजलैट ब्लॉक के 58553 मतदाता शामिल हैं।अभियान के दौरान 3.25 लाख मतदाताओं का बीएलओ सत्यापन कर चुके हैं। अभी 1.40 लाख मतदाताओं का सत्यापन करना बाकी है। इस बारे में उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम ने बताया कि जांच के दौरान करीब 20 हजार से अधिक मतदाता डुप्लीकेट पाए गए हैं। ऐसे लोगों के नाम सूची से हटाए गए हैं। एडीएम प्रशासन का कहना है कि ढिलाई बरतने पर बीडीओ मुरादाबाद को नोटिस दिया गया था। बृहस्पतिवार को उनके क्षेत्र में सत्यापन का आंकड़ा बढ़ गया है। बता दें कि पहले 20 फरवरी तक सत्यापन की अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी लेकिन चुनाव तिथि बढ़ाकर छह मार्च तक कर दी है। इस कारण चुनाव में तैनात अधिकारियों और बीएलओ ने राहत की सांस ली है। पहले भी 71 हजार डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम कटे थे -सबसे पहले चुनाव आयोग ने 2.35 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची भेजी थी। जांच के बाद पहले चरण में करीब 71 हजार डुप्लीकेट मतदाता पाए गए। सभी लोगों के नाम सूची से हटाए गए । 2021 की मतदाता सूची की तुलना में 2026 में लगभग 18 हजार मतदाता बढ़ गए हैं। एसआईआर में कटे थे 3.87 लाख वोटरों के नाम- एसआईआर अभियान में जिले के 3.87 लाख वोटर मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए थे। जबकि मतदाताओं की कुल संख्या 24.59 लाख है। एसआईआर अभियान के आखिरी चरण में जिला प्रशासन का ध्यान अनकलेक्टिव मतदाताओं (एएसडी) पर केंद्रित रहा। अनकलेक्टिव वोटरों की श्रेणी में अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट, मृतक वोटरों को शामिल किया गया था। ऐसे मतदाताओं की संख्या 3.87 लाख पाई गई है। इन वोटरों के नाम सूची से हटा दिए गए थे।

होली पर मुरादाबाद होकर गुजरेंगी तीन स्पेशल ट्रेनें, दो के फेरे बढ़ाए, लखनऊ-वाराणसी जाने वालों को राहत

होली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने मुरादाबाद होकर गुजरने वाली तीन नई स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। इसके अलावा दो ट्रेनों के फेरे बढ़ाए हैं। होली के मौके पर रेलवे ने तीन और स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की है, जोकि मुरादाबाद से होकर गुजरेंगी। उत्तराखंड से बिहार के बीच चलेंगी। इनसे हरिद्वार, अमृतसर, मुजफ्फरपुर, मिलेगी। इन ट्रेनों में यात्री जनरल टिकट लेकर भी सफर कर सकेंगे। आधार पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इन सभी ट्रेनों में बुकिंग शुरू हो कुछ और स्पेशल ट्रेनों की घोषणा भी मुख्यालय की ओर से की जा सकती ट्रेनें चलेंगी ट्रेन नंबर कहां से कहां तक कब से कब तक संचालन मधुबनी से सरहिंद 26 फरवरी, 3 और 7 मार्च 04610 अमृतसर से अमृतसर 26 फरवरी, 2 और 6 मार्च 04302 हरिद्वार से मुजफ्फरपुर

अन्य दो स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए हैं। यह ट्रेनें पंजाब व लखनऊ और वाराणसी रूट पर जाने वाले यात्रियों को राहत सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की मांग के चुकी है। जरूरत पड़ने पर कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाएंगे। है। इससे लोगों को कंफर्म टिकट मिलने में परेशानी नहीं होगी।यह 04530 सरहिंद से मधुबनी 25 फरवरी, 2 और 6 मार्च 04529 मंसी 24, 28 फरवरी और 4 मार्च 04609 मंसी से 25, 28 फरवरी और 3 मार्च 04301 मुजफ्फरपुर से हरिद्वार 26 फरवरी, 1 और 4 मार्च इन ट्रेनों के बढ़ाए गए फेरे - 04014/13 आनंद विहार-लखनऊ स्पेशल एक्सप्रेस 04209/10 वाराणसी-दिल्ली स्पेशल मुरादाबाद-सहारनपुर रेललाइन पर दो दिन ब्लॉक, सात ट्रेनें प्रभावित मुरादाबाद-सहारनपुर रेलखंड के हिंडन केबिन यार्ड में 20 और 21 फरवरी को मरम्मत कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इस कारण मुरादाबाद मंडल से गुजरने वालीं सात ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से निरस्त किया गया है, कुछ का मार्ग बदला गया है। साथ ही तीन ट्रेनों को रास्ते में रोककर चलाया जाएगा। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि (14305) दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेस 20 फरवरी को परिवर्तित रूट से चलेगी। परिवर्तित मार्ग पर सभी निर्धारित स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। 21 फरवरी को दिल्ली मंडल में 15 मिनट रोककर चलाई जाएगी। (14816) ऋषिकेश-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस 20 फरवरी को ऋषिकेश से 100 मिनट देरी से चलेगी। (12053) हरिद्वार-अमृतसर एक्सप्रेस 20 फरवरी को हरिद्वार से 100 मिनट देरी से चलेगी। (54342) देहरादून-सहारनपुर पैसेंजर 20, 21 और 22 फरवरी को केवल लक्सर स्टेशन तक ही चलेगी। लक्सर से सहारनपुर के बीच ट्रेन का संचालन निरस्त रहेगा। (54341) सहारनपुर-देहरादून पैसेंजर 20, 21 और 22 फरवरी को लक्सर से देहरादून के बीच ही चलेगी। सहारनपुर से लक्सर के बीच सेवा रद्द रहेगी। (19565) ओखा-देहरादून उत्तरांचल एक्सप्रेस 20 फरवरी को दिल्ली मंडल में 20 मिनट रोककर चलाई जाएगी।

बहन को मार डाला: लड़की दूसरे समुदाय के युवक से करती थी प्यार, हत्या कर भाई बोला- बहुत समझाया लेकिन नहीं मानी

19 वर्षीय रूप जहां की उसके भाई जानेआलम ने गला दबाकर हत्या कर दी। वह दूसरे समुदाय के प्रेमी संग गई थी, जिसे परिजन वापस लाए थे। आरोपी भाई ने जुर्म कबूल किया।असमोली थाना क्षेत्र के गांव मतावली पट्टी जग्गू में 19 साल की रूप जहां दूसरे समुदाय के प्रेमी युवक के साथ घर ले आए और रात करीब 9 बजे भाई ने बुलाया और अपना जुर्म कबूल कर से काफी बदनामी हो रही थी। इसलिए हत्या लिया गया है। इस घटना में शामिल दूसरे सूचना पर एएसपी कुलदीप सिंह और पहुंचे। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया प्रेम प्रसंग था। प्रेम प्रसंग की जानकारी परिजनों थाने पहुंच गई थी। जहां परिजनों से जान का बात कही थी। जिसके बाद प्रेमी युवक अपने बृहस्पतिवार की सुबह गांव के जिम्मेदार लोगों पहुंच गए और युवती को किसी तरह साथ ले रही है। कुछ समय बाद शादी कर देंगे फिर

रूप जहां की उसके बड़े भाई जानेआलम ने चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी। बुधवार को चली गई थी। परिजन किसी तरह उसको बृहस्पतिवार की सुबह हत्या की घटना को अंजाम दे दिया। आरोपी भाई ने ही पुलिस को सूचना देकर लिया।आरोपी ने पुलिस के सामने बताया कि गांव में उनकी बहन के इस कदम कर दी। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लोगों की साजिश की भी छानबीन की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर घटना की असमोली सीओ कुलदीप सिंह असमोली थाने की फोर्स के साथ मौके पर है।19 साल की रूप जहां का गांव के ही दूसरे समुदाय के युवक से दो वर्ष से को हुई तो उन्होंने सख्ती कर दी थी। बुधवार को किसी तरह युवती असमोली खतरा बताया था और बालिग होने का हवाला देते हुए प्रेमी के साथ रहने की साथ अमरोहा निवासी अपनी रिश्तेदार के घर युवती को ले गया गया था। के साथ युवती के परिजन अमरोहा के गांव निवासी युवक के रिश्तेदार के घर गए। बताया जा रहा है कि युवती के परिजनों ने कहा था कि गांव में बदनामी हो किसी दूसरी जगह जाकर रह लेना। इस हवाले के बाद युवती परिजनों के साथ घर आ गई थी। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक ने बताया है कि उसके परिवार के सभी लोग एक रिश्तेदार की शादी में गए थे। इसी दौरान बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। एसपी का कहना है कि इस घटना में जिस जिस की साजिश सामने आएगी। उन सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी। बहुत समझाया लेकिन नहीं मानी, बदनामी हो रही थी, इसलिए कर दी हत्या- रूप जहां के बड़े भाई ने पुलिस के सामने बताया कि प्रेम प्रसंग की जानकारी कुछ समय पहले हो गई थी। इसके बाद से लगातार समझाया लेकिन दूसरे समुदाय के युवक के साथ ही रहने की जिद करती थी। बुधवार को घर से ही चली गई। इससे गांव में काफी बदनामी हो गई थी। इसलिए हत्या करनी पड़ी। रूप जहां अपने तीन भाई और दो बहनों में तीसरे नंबर की थी। युवती के भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना में जिस-जिस की भूमिका सामने आएगी। सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। - कृष्ण कुमार बिश्नोई, एसपी, संभल।

फुलैरा दूज पर शहनाइयों की गूंज, 300 से अधिक जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

मुरादाबाद । फुलैरा दूज का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। गुरुवार को शहर में शहनाइयों की मधुर धुन गूंजती रही। हाइवे से लेकर प्रमुख मार्गों और गली-मोहल्लों में शादी समारोहों की रौनक रही। बैंडबाजे की धुन पर सजे-धजे बराती झूमे। अधिक जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। ज्योतिषीय दृष्टि से चलते बड़ी संख्या में लोगों ने अपने विवाह कार्यक्रम अधिकता के कारण शहर के सभी होटल, मैरिज होम, हो चुके थे। शादी समारोह के चलते बाजारों में भी रौनक लिए लोगों की भीड़ रही। दूल्हा-दुल्हन के परिधान से खरीदारी की गई। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सामान, ग्राहकों की चहल-पहल रही। ब्यूटी पार्लरों पर भी सुबह मेकअप व अन्य तैयारियों के लिए पहले से ही स्लॉट और पुजारियों की भी पहले से बुकिंग हो चुकी थी।बारातों बारातों के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर जाम की बुधबाजार, प्रकाश नगर चौराहा, दिल्ली रोड स्थित धर्मकांटा, पर बैंडबाजों के साथ गुजर रही बारातों से यातायात

फुलैरा दूज के शुभ मुहूर्त पर गुरुवार को 300 से इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है, जिसके इसी तिथि पर तय किए थे। शादी समारोहों की बैंक्वेट हॉल और धर्मशालाएं कई दिनों पहले ही बुक रही। रेडीमेड गारमेंट्स की दुकानों पर खरीदारी के लेकर परिवार के अन्य सदस्यों के कपड़ों की जमकर बर्तनों और गिफ्ट आइटम की दुकानों पर भी दिनभर से देर शाम तक भीड़ रही। दुल्हनों और परिजनों के बुक कर लिए गए थे। वहीं बैंडबाजे, घोड़ी संचालक के चलते कई स्थानों पर लगा जाम- फुलैरा दूज पर स्थिति बनती रही। मुरादाबाद क्लब के सामने, चौधरी चरण सिंह चौक, आशियाना समेत कई जगहों प्रभावित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

पिता ने आत्महत्या कर ली तो बेटी ने मां के खिलाफ करा दी एफआईआर, बोली-मां के अवैध संबंधों से टूट गए थे पापा

उत्तराखंड से सटे डिबडिबा गांव में व्यक्ति ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही मृतक की बेटी ने अपनी मां और उसके प्रेमी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहल्ला रम्पुरा रुद्रपुर उत्तराखंड निवासी मनीषा देवी द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें कहा कि 27 साल पहले उनकी मां हरिया देवी की शादी छोटे लाल से हुई थी। वे छह भाई-बहनों में से एक हैं। उसके अनुसार छह साल पहले उनकी मां हरिया देवी ने ऊधमसिंह नगर के थाना ट्रांजिट कैंप के गांव फुलसुंघी निवासी विजय साहनी से दिल्ली में कोर्ट मैरिज कर ली थी और उसके साथ रहने लगी थीं। छह महीने पहले हरिया देवी वापस दिबदिबा आकर अपने पति छोटे लाल के साथ रहने लगीं, लेकिन विजय साहनी से अपने संबंध नहीं तोड़े। विजय साहनी अक्सर दिबदिबा आता-जाता था।इसी बात को लेकर गुरुवार को पिता छोटे लाल का मां हरिया देवी से झगड़ा हुआ। इसके बाद पिता ने जहर खा लिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। सूचना पर रुद्र-बिलास चौकी प्रभारी चंद्रवीर सिंह ने बताया कि मौके से साक्ष्य एकत्र करने के लिए रात में ही फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई थी। इस पर प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि मनीषा की तहरीर पर हरिया देवी और विजय साहनी के विरुद्ध बीएनएस की धारा-108 के तहत मामला दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जांच के तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अवैध संबंधों में आड़े आने पर की थी भांजे आकिल की हत्या

स्वार (रामपुर)। कोतवाली क्षेत्र के खौद कलां गांव में कथित अवैध संबंधों में बाधक बने भांजे की गला रेतकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी चचेरे मामा नसीम उर्फ भूरा को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी ने पूछताछ में हत्या करना स्वीकार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दरांत और रक्तरंजित जींस पैंट बरामद की है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

कोतवाली क्षेत्र की मसवासी पुलिस चौकी अंतर्गत खौदकलां गांव में मंगलवार रात करीब पौने 12 बजे आरोपी ने अपने भांजे मोहम्मद आकिल (28) की दरांत से गर्दन रेतकर हत्या कर दी थी।

घटना के दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण जाग गए और आरोपी को मौके पर देख लिया। बताया गया कि आरोपी ने ग्रामीणों को डंडे से धमकाने का भी प्रयास किया।सूचना पर कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार और क्षेत्राधिकारी अतुल कुमार पांडेय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

मृतक के बड़े भाई कफील की तहरीर पर नसीम उर्फ भूरा के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 332 की भी वृद्धि की। कोतवाल संजीव कुमार ने बताया कि गिरफ्तारी के लिए गठित टीम ने आरोपी को मुंशीगंज तिराहे के पास टांडा रोड से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक की पत्नी से उसके अवैध संबंध थे और मोहम्मद आकिल इसमें बाधक बन रहा था।

इसी कारण उसने हत्या की योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया। सीओ अतुल कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की गहन विवेचना जारी है। बुधवार रात सुपुर्द-ए-खाक हुआ आकिल- पोस्टमार्टम के बाद मोहम्मद आकिल का शव खौदकलां गांव स्थित उसके घर लाया गया, जहां पत्नी तीनों बच्चों के साथ पहुंचीं। परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में बुधवार रात करीब 11 बजे पैतृक कब्रिस्तान में शव सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सड़क सुरक्षा महा को लेकर समिति की बैठक हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में विगत माह सांसद अध्यक्षता में हुई बैठक में दिये गए निर्देशों के बारे में जानकारी दी गयी। बैठक में निर्देश दिए गए कि मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार जो भी जिले दुर्घटनाओ की दृष्टि से संवेदनशील हैं वहां पर क्रेन तथा एंबुलेंस की संख्या अधिक से अधिक बढ़ाई जाए। निर्देशानुसार पेट्रोल पंप तथा टोल प्लाजा आदि पर संकेतक आदि लगाए गए है साथ ही ऐसे होर्डिंग तथा बैनर लगाए गए है जिससे कि लोग जागरूक हो सके । बैठक में बताया कि भारी वाहन ट्रैक्टर की ट्रॉली पर रिफ्लेक्टर भी लगाए गए है जिससे रात्रि के समय विजिबिल्टी बनी रहे। सड़क सुरक्षा माह अब 28 फ़रवरी तक चलेगा और तदनुरूप गतिविधियां करायी जा रहीं है। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सड़क दुर्घटनाओं व घर में भी बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों को जागरूक किया जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि/रा संतोष कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग भगत सिंह, परिवहन विभाग सहित एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खां संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे ।

दुग्ध डेयरी किसानों को हटाने के विरोध में डीएम को दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भोजीपुरा टोल कर्मियों द्वारा हवाई अड्डा गेट स्थित दुग्ध डेयरी किसानों को हटाने की कार्रवाई के विरोध में किसान एकता संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. रवि नागर के नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। डॉ. रवि नागर ने आरोप लगाया कि टोल प्लाजा कर्मचारी अतिक्रमण के नाम पर आए दिन जेसीबी लेकर पहुंच जाते हैं और डेयरियां हटाने का दबाव बनाते हैं, जबकि भैंसे सड़क से दूर गड्ढे में बंधी हैं और यातायात में कोई बाधा नहीं होती। उन्होंने कहा कि 7 फरवरी को भी कर्मचारियों ने जबरन खुदाई की कोशिश की। किसानों का कहना है

कि सड़क किनारे अन्य दुकानों और ठेलों पर कार्रवाई नहीं होती, जबकि गरीब डेयरी किसानों को ही निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई और गरीब किसानों पर कार्रवाई रोकने की मांग की है।

विकास कार्यों में तेजी के निर्देश, सेंट्रल पार्क का किया स्थलीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। ग्रेटर बरेली परियोजना के विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए बीडीए उपाध्यक्ष डा. ए मनिकंडन ने परियोजना क्षेत्र का निरीक्षण किया। कार्यदायी एजेंसियों को नियमित मॉनीटरिंग के साथ काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीडीए उपाध्यक्ष डॉ ए मनिकंडन ने कहा कि सभी कार्य तय समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ने सेंट्रल पार्क (रुद्र वनम) का भी निरीक्षण किया। यहां हरित क्षेत्र के विस्तार, पौधरोपण, ट्रैक निर्माण, प्रकाश व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया गया। पार्क को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर नागरिकों के लिए आकर्षक और उपयोगी बनाने की योजना पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि ग्रेटर बरेली को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और हरित शहर के रूप में विकसित करना शासन की प्राथमिकता है। निरीक्षण के अंत में उन्होंने संबंधित इंजीनियरों और ठेकेदारों को निर्देशित किया कि कार्यों की नियमित मॉनीटरिंग की जाए और प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत की जाए, ताकि परियोजना को निर्धारित समय में पूर्ण किया जा सके।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

डीएम की अध्यक्षता में फार्मर रजिस्ट्री की हुई समीक्षा बैठक

फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ कार्यवाही के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में विगत दिवस देर सांय कलक्ट्रेट सभागार में फार्मर रजिस्ट्री के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में समस्त उपजिलाधिकारीगण व कृषि विभाग को फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तय समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूर्ति के लिए प्रतिदिन सात से आठ हजार फार्मर रजिस्ट्री होनी चाहिए लेकिन वर्तमान में मात्र दो से तीन हजार फार्मर रजिस्ट्री ही की जा रहीं है। जो उचित नहीँ है।जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित कृषि/राजस्व/ पंचायत विभाग / मनरेगा आदि के अधिकारियों को कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये गए।
बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया कि जनपद बरेली में वर्ष 2022-23 में कुल 545465 पंजीकृत कृषक थे। इसके सापेक्ष कुल 379438 कृषक (88.58त्न) की फार्मर आई0डी0 बनाई जा चुकी है। उपरोक्तानुसार अभीतक बनाई गई कुल 379438 कृषकों की फार्मर आई0 डी0 में पी0एम0 किसान एक्टिव लाभार्थी 335179 एवं 44275 गैर पी0एम0 किसान लाभार्थी सम्मिलित है। शासन द्वारा फार्मर आई0 डी0 हेतु निर्धारित लक्ष्य 545465 के सापेक्ष अपात्र 42723 कृषकों को हटाते हुये पात्र पी0एम0 किसान लाभाथियों की संख्या 502742 के सापेक्ष 335179 (66.67 प्रतिशत) पी0 एम0 किसान लाभार्थी कृषकों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। अवशेष पात्र कृषकगण की फार्मर रजिस्ट्री कराएं जाने में कृषि विभाग के कर्मचारी, राजस्व विभाग के कर्मचारी, पंचायत सहायक, रोजगार सेवकों आदि कर्मचारियों के द्वारा किया जा रहा है ।उक्त फार्मर आई0 डी0 बनाये जाने का कार्य बैठक में न्यूनतम प्रगति वाले 03 कर्मचारियों को कठोर चेतावनी जारी करते हुये अवशेष फार्मर आई डी बनाये जाने का कार्य तत्काल पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि उक्त कार्य में लगे समस्त विभाग एंव कर्मचारियों के सहयोग से ससमय शतप्रतिशत पूर्ति कराया जाना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त फार्मर आई0 डी0 बनाये जाने हेतु जनसेवा केन्द्र संचालकों से सहयोग लेते हुये नियमित समीक्षा के भी निर्देश दिये गये। बैठक में (प्रशाशन)अपर जिलाधिकारी , जिला कृषि अधिकारी समस्त उप जिलाधिकारी एंव समस्त खण्ड विकास अधिकारी आदि अन्य सम्बन्धित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे ।

महिला ने टैम्पो चालक पर लगाया जेवर और नगदी चोरी करने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । थाना कोतवाली क्षेत्र के कचहरी के पास शुक्रवार को एक महिला ने टैम्पो से उतरने के बाद किराया देते समय टैम्पो चालक पर लगाया जेवर और नगदी चोरी करने का आरोप महिला का हंगामा देख टैम्पो चालक फरार हो गया। महिला ने 112 पुलिस को सूचना दी घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी टैम्पो चालक को पकड़ कर पूछने पर बताया कि मैने जेवर और नगदी चोरी नहीं की है , मेरे ऊपर झूठा आरोप लगाया जा रहा है।
महिला नीरज पत्नी गुड्डू निवासी ग्राम डूबरा नवीनगर थाना कैन्ट निवासी ने बताया कि शुक्रवार को करीब 12 बजे खरसेनी कन्नौजिया इण्टर कालेज से टेम्पो नंबर यूपी जी टी 4337 से अपने गांव नवीनगर जाने को बैठी थी मेरे पर्स में आधा तोला की नथनी व सोने की बेसर व 250 का चांदी का गुच्छा पांच सो रुपए थे,

इसी बीच फतेहगंज से अन्य सवारिया भी बैठी थीं जो सभी कचहरी बरेली पर उतरे थे, जिनसे कोई किराया नही लिया गया जब महिला नीरज कचहरी पर उतरी तो किराये के पैसे देने को पर्स खोला तो मेरे पर्स में रखा उक्त जेवर पांच सो रुपए नही थे महिला नीरज ने आरोप लगाया कि टैम्पो वाले से कहा तुम्हारे टेंपो में बैठकर आई हु जेवर चोरी के जिम्मेदार तुम हो इसी बात को लेकर दोनों में झड़प होने लगी हंगामा देख टैम्पो चालक बहा से फरार हो गया पुलिस ने ऑटो चालक को बुलाकर पूछा उसने बताया महिला के पर्स में जेवर और रुपए नहीं थे। मुझ पर झूठा आरोप लगा रही है। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में बांके बिहारी ऑटो फुटबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शाहजहांपुर रोड स्थित महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के नवनिर्मित फुटबॉल मैदान में दो दिवसीय बांके बिहारी ऑटो फुटबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सम्भागीय परिवहन अधिकारी पंकज सिंह, व विशिष्ट अतिथि रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के क्रीड़ा सचिव डॉ एसएस बेदी द्वारा किया गया, सह क्रीड़ा सचिव डॉ. विजय सिन्हाल, प्रबन्ध समिति के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), क्रीड़ा सचिव गिरीश चन्द्र अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, अविनाशी लाल अग्रवाल, महेश चन्द्र, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, क्रीड़ाधिकारी इं. धीरज अग्रवाल द्वारा किया गया।
इस फुटबॉल प्रतियोगिता को महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के मंत्री एवं बांके बिहारी ऑटो, बरेली के निदेशक पंकज अग्रवाल द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के तथा अन्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया।
क्रीड़ा सचिव गिरीश चन्द्र अग्रवाल ने इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया एवं सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फुटबॉल प्रतियोगिता के प्रायोजक पंकज अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि फुटबॉल उनका प्रिय खेल है तथा वे इसको बचपन से खेलते आ रहे है और अभी भी इस खेल के प्रति समर्पित है उन्होने कहा कि यह एक सज्जन व्यक्तियों का खेल है और हमे इसका आनन्द लेना चाहिए। महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने फुटबॉल प्रतियोगिता के प्रायोजक एवं समस्त टीमों के खिलाड़ियों को शुभाशीष देते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से ही खेलना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. विजय सिन्हाल ने विजयी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया तथा सभी टीमो का स्वागत करते हुए कहा कि हार जीत एक सिक्के के पहलू है इसको सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने छात्र जीवन में खेल -कूद की महत्ता को समझाते हुए विजयी टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामनाऐं प्रेषित की। क्रीड़ाधिकारी इं. धीरज अग्रवाल ने खेल प्रतियोगिता की रूपरेखा से सबको अवगत कराया।
प्रथम मैच महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय एवं इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के मध्य खेला गया जिसमें दोनो टीमों ने 02-02 गोल दागकर बरावरी की इस मैच का निर्णय पैनाल्टी शूटआउट द्वारा किया गया। जिसमें इन्वर्टिस विष्वविद्यालय ने 03 गोल दागे वहीं महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के खिलाड़ी केवल 01 गोल ही दाग सके। इन्वर्टिस विश्वविद्यालय की ओर से जैद एवं कैबिन तथा महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की ओर शान टम्टा का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। दूसरा मैच आर्मी स्कूल एवं एम.ई.एस. टीमों के मध्य खेला गया जिसमें आर्मी स्कूल ने 05 गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। वहीं दूसरी ओर एम.ई.एस. की टीम केवल 02 गोल ही कर पायी। एम.ई.एस. के वेदान्त सिंह रावत ने पूरी टीम को संजोक कर रखा तथा बेहतरीन गोलकीपिंग तो आर्मी स्कूल की ओर से हर्षित शाही द्वारा बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया गया। निर्णायक मंडल में निष्कर्ष सिंह कंडारी महेश चंद एवं सी.के.यादव रहे। मंच संचालन डॉ. रेशू जौहरी ने किया। कल फाइनल मुकाबला इनवर्टिस विश्वविद्यालय एवं आर्मी स्कूल के मध्य अपराह्न 12 बजे से खेला जाएगा इस अवसर पर डॉ. के.के.अग्रवाल, मंयक शर्मा, शोभित , अजीत, रामलखन, प्रफुल्ल पाठक, संचित कक्कड़ आदि उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

26.59 करोड़ से बनेगा मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत। जिले के बिलसंडा विकासखंड की ग्राम दियोरिया कला में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय (प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक) के निर्माण को शासन से स्वीकृति मिल गई है। विद्यालय निर्माण के लिए ?2659.75 लाख (लगभग 26.59 करोड़ रुपये, जीएसटी सहित) की प्रशासनिक एवं वित्तीय मंजूरी प्रदान की गई है। परियोजना के तहत पहली किस्त के रूप में करीब ?9.30 करोड़ (35 प्रतिशत धनराशि) जारी कर दी गई है। यह विद्यालय एक ही परिसर में नर्सरी से इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई की सुविधा देगा। इसमें आधुनिक कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और सुरक्षित परिसर की व्यवस्था की जाएगी। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (उप्र जल निगम) को सौंपी गई है। शासन ने निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुसार और निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। बीसलपुर विधायक विवेक कुमार वर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यालय क्षेत्र में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब बेहतर शिक्षा के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा। यह परियोजना जिले की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है।

बफरखेड़ा में ग्राम पंचायत विकास योजना पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जिले के बरखेड़ा विकासखंड में ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के लिए प्लानिंग फैसिलिटेशन टीम का एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रथम व द्वितीय बैच में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण उपनिदेशक पंचायत महेंद्र सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक विकास अधिकारी पंचायत नज़रुल हसन ने किया। उद्घाटन सत्र में प्रशिक्षक वीर सक्सेना ने प्रशिक्षण के उद्देश्य और नियमों की जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने फिल्म प्रदर्शन, समूह चर्चा और सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य, मॉडल पंचायत, सोशल प्लान और ग्राम पंचायत विकास योजना के विभिन्न चरणों पर जानकारी दी। जीपीडीपी क्या है, क्यों और कैसे बनाई जाती है, इस पर भी विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षण में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, सचिव, पंचायत सहायक और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडलीय परियोजना प्रबंधक सचिन देव, मंडलीय सलाहकार राजपाल सिंह तथा अन्य सहयोगियों का योगदान रहा।

20 लाख की अफीम संग पुलिस ने दो तस्कर धर दबोचे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आगामी त्योहारों को देखते हुए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना अलीगंज पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने 820 ग्राम अवैध अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक वीर सिंह, उपनिरीक्षक प्रवीण गौतम, हेड कांस्टेबल योगेंद्र सिंह और कांस्टेबल नकुल भाटी क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान चंदनपुर से पहले कब्रिस्तान के पास बाइक सवार दो युवकों को रोकने का इशारा किया गया। पुलिस को देख दोनों भागने लगे, लेकिन तत्परता दिखाते हुए टीम ने रात करीब 10:05 बजे उन्हें दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 820 ग्राम अफीम, दो मोबाइल फोन और एक बाइक बरामद हुई। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम लाल सिंह निवासी लक्ष्मणपुर मजरा रामनगर थाना आंवला और दीपांशु निवासी रामनगर थाना आंवला बताए। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे किसी अज्ञात व्यक्ति से सस्ते दामों में अफीम खरीदकर ऊंचे दामों पर बेचते थे। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य सामिग्री में रंगों की मिलावट, मिर्च में कैंसरकारी डाई , भुने हुए चने में खतरनाक रंग

सैंपलिंग में हैरान करने वाला खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुनाफे के लिए खाद्य कंपनियां और कारोबारी आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की रिपोर्ट से इसकी पुष्टि हो रही है। मिर्च में कैंसरकारी सूडान डाई, भुने चने में कपड़े रंगने वाला खतरनाक रंग, एटीसी कंपनी की चाय में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला सनसेट यलो रंग मिला है। दीपक स्वीट्स से लिया घी का सैंपल भी अधोमानक निकला है।

होली से पहले एफएसडीए ने बीते लगभग छह महीने की सैंपल रिपोर्ट का विवरण गुरुवार को जारी किया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल ने बताया कि जुलाई 2025 में परसाखेड़ा स्थित मैसर्स एचएन फूड प्रोडक्ट्स से पास्ता मसाले का नमूना लैब भेजा था। जो जांच में अधोमानक मिला है। लम्पस और फंगल की ग्रोथ सामने आई है।

विगत माह में श्यामगंज स्थित मैसर्स मूर्ति इंटरप्राइजेज से भुने चने का सैंपल लिया गया। यह नमूना भी असुरक्षित मिला। ज्यादा पीला दिखाने के लिए इसमें कपड़े रंगने वाली डाई औरामाइन ओ की खतरनाक मिलावट की गई। यह डाई लीवर, किडनी को नुकसान पहुंचाने के साथ कैंसर जैसी बीमारियों को बढ़ावा देती है। बच्चों, गर्भवतियों और बुजुर्गों के लिए यह मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। यह न्यूरोलाजिकल विकार उत्पन्न करने के साथ ही पाचन तंत्र को भी नष्ट कर देता है।

इन सभी कारोबारियों को 30 दिनों में दोबारा अपील का अवसर दिया गया है। अपील प्राप्त न होने की दशा में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। होली पर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने की चुनौती होली के त्योहार पर मिलावट का खेल रोकने को लेकर विभाग अलर्ट हो गया है, जिसको लेकर गुरुवार को विभागीय टीमों ने परसोना रोड स्थित शिफा डेयरी से मिश्रित दूध, राजेश मिल्क बिथरी से पनीर का नमूना और गुलाब नगर स्थित आयुष कुमार शर्मा के प्रतिष्ठान से दूध का एक नमूना लेकर जांच को भेजा है। इसके साथ ही ग्रोवर फूड्स, लक्ष्मी कोल्ड स्टोरेज और राहुल कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया गया।

गलियों में डूब गए बेहतर जलनिकासी के दावे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्मार्ट सिटी में बेहतर जलनिकासी के दावों का सच देखना है तो जोगी नवादा का रुख कीजिए, जहां वार्ड की अधिकांश गलियों में जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है नाला चोक होने से नूरी मस्जिद के आसपास की सड़कों पर ड्रेनेज का पानी निकलने का नाम ही नहीं लेता। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि बारिश न हो, फिर भी सड़कों पर लगातार पानी भरा रहता है। स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंदे पानी से संक्रामक बीमारियां फैलने का डर बना हुआ है। लोग घर से निकलने से बच रहे हैं। जरूरी काम होने पर ही वे बाहर निकलते हैं। ग्राहकों के साथ आमजन का सुबह और शाम के समय सड़कों पर चलना दूभर है। रात में हादसे का डर रहता रहता है। कई बार ऐसा भी होता है कि ई-रिक्शा, दोपहिया वाहन गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे जाम जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। बारिश होने पर घरों में पानी घुसने का लोगों का डर सता रहा है। बताया जाता है कि नूरी मस्जिद के पास बने नाले का पानी दुर्गानगर की तरफ निकलता है, लेकिन, नाला पूरी तरह से चोक है। महीनों से इसकी सफाई नहीं हुई है। ऐसे में लोगों में आक्रोश इस बात को लेकर है कि स्मार्ट सिटी के नाम पर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जोगी नवादा जैसे इलाकों की बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। आरोप यह भी है कि वार्ड में नालियों की सफाई और जल निकासी प्रणाली को प्राथमिकता नहीं दी गई।

संयोग नहीं प्रयोग: एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर भाजपा बोली- राहुल गांधी के घर पर बनी इसकी योजना

भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्यकर्ताओं ने भारत और अमेरिका के बीच समझौते के खिलाफ नारेबाजी भी की। भारत मंडपम में चल रहे एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के नेताओं ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के बाद भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है। भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस प्रदर्शन की योजना किसी आम कार्यकर्ता ने सड़क पर नहीं बनाई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन की योजना राहुल गांधी के निवास पर बनाई गई। उन्होंने दावा किया कि इस दौरान सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा भी वहां मौजूद थे। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेताओं के नाम बताते हुए कहा कि इनमें से कोई सचिव और कोई अध्यक्ष है। ये छोटे कार्यकर्ता नहीं हैं। ये बड़े पदों पर आसीन कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ये सभी लोग यूं ही भारत मंडपम में नहीं घुसे। इन्होंने रजिस्ट्रेशन पहले ही कराया था। योजनाबद्ध तरीके से ये बार कोड लेकर अंदर घुसे और इन्होंने अंदर टीशर्ट उतार कर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि ये प्रयोग है, संयोग नहीं। भाजपा ने राहुल गांधी को बता डाला देश का सबसे बड़ा गद्दार - संबित पात्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने कहा कि रंग में भंग डालना इनका काम है। उन्होंने कहा कि जहां देश में खुशियों के रंग छाएंगे, ये उसमें भंग जरूर डालेंगे। उन्होंने राहुल गांधी को गद्दार बताते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर होगा, प्रश्न उठाया जाएगा। पाकिस्तान का गुणगान होगा, हिंदुस्तान की कमी निकालेंगे। एयरस्ट्राइक होगी, हिंदुस्तान का धिक्कार करेंगे और राहुल गांधी पाकिस्तान की जय-जयकार करेंगे। उन्होंने कहा कि यही वो गद्दार है, जो सर्जिकल स्ट्राइक होने पर खून की दलाली कहता है और पूरी दुनिया में भारत को अपमानित और बदनाम करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए मेरे पास केवल तीन शब्द हैं- टॉपलेस, ब्रेनलेस और शेमलेस। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास इतना भी विवेक नहीं है कि वो समझ सके कि एआई समिट भाजपा का नहीं देश का कार्यक्रम है। भाजपा बोली- ये भारत को लड़खड़ाते देखना चाहते हैं भाजपा ने एक्स पर पोस्ट में कहा, %राष्ट्रीय शर्म की बात है। ऐसे समय में जब भारत एक प्रतिष्ठित वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, प्रौद्योगिकी में अपने नवाचार और नेतृत्व का प्रदर्शन कर रहा है, कांग्रेस पार्टी ने गरिमा के बजाय व्यवधान को चुना। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने समिट में कपड़े उतार दिए और कार्यक्रम स्थल पर हंगामा किया। यह स्पष्ट रूप से भारत को विश्व मंच पर शर्मिंदा करने के लिए किया गया एक कृत्य था।% भाजपा ने कहा, %जब देश खुद को एक वैश्विक प्रौद्योगिकी महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है, तो ऐसा आचरण केवल उन लोगों के हितों की पूर्ति करता है जो भारत को लड़खड़ाते हुए देखना चाहते हैं। राजनीतिक विरोध एक लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचाना नहीं। भारत बेहतर का हकदार है।% कांग्रेस के लिए राष्ट्रहित से ज्यादा राजनीतिक लाभ जरूरी = राजनाथ सिंह इस प्रदर्शन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी नाराजगी जताते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। राजनाथ सिंह ने कहा, %जब पूरा विश्व भारत को नई दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करते हुए देख रहा था और तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में हमारे बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का साक्षी बन रहा था, उस समय कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान उत्पन्न करने का रास्ता चुना।% राजनाथ सिंह ने कहा, %यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा जिस शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया गया है वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है। मैं कांग्रेस के इस कृत्य की भर्त्सना करता हूं। जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है।% उन्होंने आगे कहा कि दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। भारत की जनता भली-भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार-बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है।

एलजी मनोज सिन्हा बोले: देश से जो गद्दारी करेगा उसको बख्शा नहीं जाएगा, आतंकियों की सात पीढ़ियां भी याद रखेंगी

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने चेतावनी दी कि देशद्रोहियों और आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। आतंकवाद से जुड़े सभी मामलों की जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने चेतावनी दी है कि देश के खिलाफ गद्दारी करने वालों और आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां आतंकवाद से जुड़े सभी मामलों की गंभीरता से जांच करेंगी और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। वीरवार को कश्मीरी पंडितों की सम्मान के साथ घर वापसी को लेकर केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि कश्मीरी पंडितों की पूरी इज्जत और सुरक्षा के साथ वापसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वादा है। उन्होंने कहा, अपनी धरती पर अजनबी बन जाना दुनिया के सबसे बड़े दुखों में से एक है। कश्मीरी पंडितों की सम्मान और सुरक्षा के साथ वापसी पीएम मोदी का वादा = एलजी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने वीरवार को कश्मीरी पंडितों की सम्मान के साथ घर वापसी को लेकर केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि कश्मीर पंडितों की पूरी इज्जत और सुरक्षा के साथ वापसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वादा है। एलजी प्रो. अशोक कौल की किताब कश्मीर-नेटिविटी रीगेंड के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। जम्मू विश्वविद्यालय के राजेंद्र सिंह सभागार में हुए कार्यक्रम में सिन्हा ने कहा कि अपनी धरती पर अजनबी बन जाना दुनिया के सबसे बड़े दुखों में से एक है। अपनी जड़ों से उजड़ जाने का दर्द आज भी बेघर हुए परिवारों की रगों में कांटों की तरह चुभता है। समय का मरहम भी कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का गहरा दर्द नहीं भर सका। युवा याद रखें कि आतंकियों ने हजारों कश्मीरी मुसलमानों का खून बहाया¬ एलजी ने कहा कि युवा पीढ़ी को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने हजारों निर्दोष कश्मीरी मुसलमानों का भी खून बहाया है। कई मामले इतने हृदयविदारक होते हैं कि उन्हें दोहराते समय शब्द लड़खड़ा जाते हैं। पिछले साल से उन परिवारों को न्याय मिलना शुरू हो गया है और अन्य आवश्यक चीजों के साथ-साथ उनकी रोजगार की जरूरतों को पूरा करने के प्रयास चल रहे हैं। अनुच्छेद 370 हटने से जड़ों की ओर लौटने का भरोसा जगा¬ उपराज्यपाल ने कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद यह भरोसा पैदा हुआ कि कश्मीरी पंडित समुदाय की युवा पीढ़ी बिना किसी डर के अपनी जड़ों की ओर फिर से लौट सकती है। समारोह में डीन रिसर्च स्टडीज जम्मू यूनिवर्सिटी डॉ. नीरज शर्मा, मंडलायुक्त रमेश कुमार, आईजीपी जम्मू भीमसेन टूटी सहित कश्मीरी पंडित समुदाय के सदस्य मौजूद थे। मुश्किल समय में संस्कृति व परंपराओं को बचाए रखा जम्मू विश्वविद्यालय के राजेंद्र सिंह सभागार में पुस्तक विमोचन समारोह में मनोज सिन्हा ने कहा कि कश्मीरी पंडित समुदाय की जबरदस्त भावना को मैं सलाम करता हूं। हर विस्थापित परिवार अपने अंदर चिंगारी लिए हुए था। इसके बावजूद संघर्ष और मुश्किलों के दौर में उन्होंने दर्शन, अध्यात्म, संस्कृति, भाषा और परंपराओं को बचाए रखा। नई ऊंचाइयों को छुआ। एलजी ने कहा कि कश्मीर माइग्रेंट वेब पोर्टल भी लांच किया गया था। यह उनके लिए था जिनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया गया था। मैं कश्मीरी पंडितों को उस दर्द को महसूस कर सकता हूं जब 1989-90 में उन्हें रातों-रात घर छोड़ना पड़ा था। यह महज किताब नहीं, हमेशा रहने वाली तबाही को दिखाती है = एलजी ने कहा कि प्रो. कौल की किताब कश्मीरी पंडितों के पलायन की कहानी बताती है। उन बुरे दिनों के डर और पुरखों की जड़ों से छिन जाने की हमेशा रहने वाली तबाही को दिखाती है। यह साहित्यिक कोशिश नहीं बल्कि दशकों से हमारी सामूहिक चेतना पर छाई चुप्पी को तोड़ने की कोशिश भी है। जनता के सपनों को बर्बाद करने की साजिश हुई नाकाम¬एलजी ने कहा कि वर्ष 2019 से जम्मू-कश्मीर एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। यूटी के लोगों के सपनों और किस्मत को बर्बाद करने की दुश्मन की नापाक साजिश को पूरी तरह से नाकाम किया गया है। बहुत कोशिशों से इस जमीन की पुरानी शान वापस लाई गई है और विकास तेज हुआ है। बहुत जल्द इस जमीन को आतंकवाद के खतरे से पूरी तरह से मुक्त करेंगे। आतंकवाद से जुड़ी हर घटना को खोला जाएगा = एलजी ने कहा, आतंकवाद से जुड़ी हर घटना को खोलने की कोशिश की जाएगी। जनता के सपनों को बर्बाद करने वालों को मिट्टी में मिलाया जाएगा। आतंकवाद से जुड़े हर व्यक्ति को उसके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। ऐसे लोगों की सजा एसी होनी चाहिए कि आतंक का ईको सिस्टम रहम की भीख मांगता दिखाई दे। हम उन आतंकियों व उनके मददगारों को कभी माफ कर सकते हैं जिन्होंने आतंक फैलाया।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग को भगा ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण व कार्यवाही साथ ही महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम के सम्बन्ध में दिए गए आदेश व निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश चन्द उत्तम व क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान के कुशल पर्वेक्षण में थानाध्यक्ष सोनवा विसुनदेव पाण्डेय के नेतृत्व में मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 18/2026 धारा 87, 137(2) बीएनएस व 11/12 पाक्सों एक्ट थाना सोनवा में वांछित/नामजद अभियुक्त इन्द्रपाल उर्फ इन्द्रजीत पुत्र विद्याराम निवासी ग्राम अकारा थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती को उसके निवास स्थान ग्राम अकारा से गिरफ्तार न्यायालय भिनगा रवाना किया गया।

पीलीभीत का सियासी संग्राम: आरोप, आंदोलन और आमने-सामने खड़ी राजनीति

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / एक गिरफ्तारी से शुरू हुआ विवाद अब जिले की राजनीति का सबसे बड़ा टकराव बन चुका है। सपा जिला उपाध्यक्ष मखदूम खां की गिरफ्तारी ने जिस सियासी आग को हवा दी, वह अब आरोपों, चेतावनियों और शक्ति प्रदर्शन की खुली जंग में बदल गई है। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल राजनीतिक दलों को आमने-सामने ला खड़ा किया है, बल्कि प्रशासन की कार्यशैली और कानून-व्यवस्था पर भी तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। हिंदू महासभा के नेता पंकज शर्मा ने तीखा बयान देते हुए कहा, 卐जब से पूर्व कैबिनेट मंत्री 'फूल बाबू' की वापसी हुई है, तब से जिले में सपाइयों की गुंडई फिर से शुरू हो गई है।卐 उनके इस बयान ने जिले की राजनीति में हलचल मचा दी है। संगठन की ओर से मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि अमरिया क्षेत्र में संचालित ईंट भट्ठे पर हिंदू मजदूरों को बंधक बनाकर मारपीट की गई। महासभा का दावा है कि केवल धारा 151 के तहत की गई कार्रवाई पर्याप्त नहीं है और इससे पीड़ितों में भय समाप्त नहीं हुआ है। महासभा ने मांग की है कि आरोपी पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। पंकज शर्मा ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ भट्ठों पर नियम-कानून की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने प्रदेश सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का हवाला देते हुए कहा कि यदि सख्ती नहीं हुई तो यह नीति केवल कागजों तक सीमित रह जाएगी। महासभा ने यह भी आरोप लगाया कि राजनीतिक रसूख के चलते कार्रवाई को कमजोर किया जा रहा है। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह 'जग्गा' ने इसे राजनीतिक द्वेष से प्रेरित कार्रवाई बताया है। उनका कहना है कि यह सब राज्य मंत्री के इशारे पर हो रहा है और सपा नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर तिवारी द्वारा मामले को हाईकोर्ट ले जाने की बात सामने आने के बाद विवाद ने कानूनी मोड़ भी ले लिया है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने साफ चेतावनी दी है कि यदि कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो जिले में व्यापक जनांदोलन छेड़ा जाएगा। संगठन का कहना है कि मजदूरों और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए वे हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। एक ओर सपा इसे राजनीतिक दमन बता रही है, दूसरी ओर हिंदू महासभा 'गुंडई बनाम न्याय' का मुद्दा बना रही है। प्रशासन पर निष्पक्ष कार्रवाई का दबाव बढ़ता जा रहा है। पीलीभीत की सियासत अब आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर सीधी टकराहट की ओर बढ़ती दिख रही है। आने वाले दिनों में प्रशासन की कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया इस पूरे घटनाक्रम की दिशा तय करेगी।

परीक्षा देने जा रहे हाईस्कूल के छात्र की सड़क हादसे में मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / आंवला, बरेली। अलीगंज थाना क्षेत्र के अंतपुर गांव के 16 वर्षीय हाईस्कूल परीक्षार्थी मोहम्मद आमीन की शुक्रवार सुबह सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह अपने दोस्त पिंटू के साथ परीक्षा देने चाचा नेहरू इंटर कॉलेज आंवला में परीक्षा देने जा रहा था। लोहारी पुलिया के पास सामने से आ रही बाइक से आमने-सामने की टक्कर में आमीन और पिंटू घायल हो गए। आमीन ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दूसरी बाइक पर सवार आंवला के राहुल और नितिन भी एक गंभीर घायल हुए हैं। दोनों घायलों का निजी अस्पताल में इलाज हो रहा है। हादसे की सूचना पर तुरंत पुलिस पहुंच गई। अस्पताल बरेली रेफर किया गया। उपचार के दौरान आमीन की मौत हो गई, जबकि घायल पिंटू का आंवला मे इलाज जारी है। विशारतगंज थाना अध्यक्ष सतीश कुमार ने बताया कि आंवला कस्बे के राहुल और नितिन भी दूसरी बाइक से कुंवरपुर गांव स्थित अवंती बाई लोधी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने आ रहे थे।

विदिशा कलेक्टर ने जिला आबकारी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा - अभिलेख व्यवस्था,व राजसात वाहनों के संदर्भ में निर्देश कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन कार्यप्रणाली, अभिलेख संधारण, राजसात वाहनों, उपकरणों तथा कर्मचारियों की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देशित किया कि मदिरा के अवैध परिवहन में जब्त कर राजसात किए गए वाहनों की नियमानुसार शीघ्र नीलामी की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि शासन को राजस्व प्राप्त हो सके। उन्होंने कार्यालयीन अभिलेखों को वर्षवार छांटकर बस्ता बनाकर रखने तथा प्रत्येक बस्ते में अभिलेखों की सूची संलग्न कर सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कार्यालयीन अलमारियों में रखे गए अभिलेखों एवं पंजियों की सूची तैयार कर अलमारी के बाहर चस्पा कराने के निर्देश दिए हैं ताकि आवश्यकता पड़ने पर अभिलेखों को आसानी से खोजा जा सके। साथ ही पुराने एवं अनुपयोगी उपकरणों को नियमानुसार राइट ऑफ करने की कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने समस्त शाखाओं की अलमारियों में रखे अभिलेखों की सूची बाहर प्रदर्शित करने तथा अलमारियों में सुरक्षा की दृष्टि से ताला लगाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त सभी कर्मचारियों के नाम, पदनाम एवं मोबाइल नंबर की जानकारी सहित नेम प्लेट लगाने हेतु ताकिद किया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने अनुकम्पा नियुक्ति के आधार पर सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदस्थ कर्मचारियों को निर्धारित समयावधि में सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु निर्देशित किया, ताकि उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि हो सके और कार्यालयीन कार्यों का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सके।

इस दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौरक्षा हिन्दू दल का बड़ा विस्तार नवनीश कुमार बने जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा, संगठन ने जताया भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जनपद में गौरक्षा और हिन्दू एकता के मुद्दों को लेकर सक्रिय संगठन गौरक्षा हिन्दू दल ने अपने विस्तार अभियान को तेज कर दिया है। प्रदेश स्तर पर चल रहे संगठन सुदृढ़ीकरण अभियान के तहत अब पीलीभीत में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत गुप्ता के मार्गदर्शन और मंडल अध्यक्ष शेखर पांडे के आदेशानुसार, खाग विठोरा कलां (तहसील पीलीभीत) निवासी नवनीश कुमार को जनपद पीलीभीत का जिलाध्यक्ष, युवा मोर्चा नियुक्त किया गया है।

संगठन पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि नवनीश कुमार अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे तथा युवाओं को गौ सेवा, संरक्षण और सांस्कृतिक जागरूकता से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएंगे।

गौरक्षा हिन्दू दल के पदाधिकारियों ने कहा कि जनपद में गौ सेवा, जनजागरण, धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक समरसता के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। युवा मोर्चा को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा गया कि युवाओं की भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा और विस्तार मिलेगा।

नव नियुक्त जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा नवनीश कुमार ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे गौ माता की सेवा, संरक्षण और हिन्दू समाज की एकजुटता के लिए तन-मन-धन से कार्य करेंगे तथा गांव-गांव तक संगठन की विचारधारा पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

जनपद में इस नियुक्ति को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और आने वाले दिनों में संगठन द्वारा बड़े स्तर पर सदस्यता अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की तैयारी की जा रही है।

एसआईआर: विशेष अभियान 22 को, मतदाता सूची पढ़कर सुनाएंगे बीएलओ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारत निर्वाचन आयोग ने 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में विशेष अभियान के लिए 22 फरवरी की तारीख निर्धारित की है। बीएलओ मतदाता सूची पढ़कर सुनाएंगे और नए वोटरों के फार्म भरवाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने बताया है कि आयोग के निर्देश पर 118-बहेड़ी, 119-मीरगंज, 120-भोजीपुरा, 121-नवाबगंज, 122-फरीदपुर, 123-बिथरी चैनपुर, 124-बरेली, 125-बरेली कैंट व 126-आंवला के समस्त 3835 बूथ लेवल अधिकारियों को 22 फरवरी को सुबह 10.30 बजे से सायं 4. 30 बजे तक उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। 6 जनवरी को प्रकाशित हुई मतदाता सूची में मृतक, स्थानांतरित, अनुपस्थित व दोहरी प्रविष्टि व गणना प्रपत्र हस्ताक्षर कर बीएलओ को वापस न देने के कारण जिनके नाम कट गए हैं, उनके नामों की सूची को पढ़कर सुनाया जायेगा। वहीं नामों का सत्यापन किया जाएगा। बीएलओ के पास फार्म-6, 7 एवं फार्म-8 उपलब्ध रहेंगे। जो व्यक्ति 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के अतिरिक्त 1 अप्रैल, 2026, 1 जुलाई, 2026 व 1 अक्टूबर, 2026 को अर्ह हो रहे हैं, या कोई पात्र व्यक्ति 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है या फिर मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से छूट गया है तो ऐसे व्यक्ति अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने को फार्म-6 के साथ घोषणापत्र भरकर बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा कर सकते हैं। विशेष अभियान के दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भ्रमण करेंगे। समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों की उपस्थिति भी सुनिश्चित कराएंगे।

नटेरन में जल जीवन मिशन एवं पीएचई के कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

बैठक में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी ने नटेरन को संजय सागर नहरयाई से भी जोड़ने की मांग की

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ प्रशासन आगामी गर्मी सीजन शुरू होने से पहले ही प्रशासन पेयजल के लिए लोग परेशान न हो इसलिए जिले भर में बैठकों का दौर शुरू हो गया है इसी के अंतर्गत शुक्रवार को दोपहर 2 बजे एस डी एम कार्यालय में नल जल योजना को लेकर समीक्षा बैठक हुई जिसमें जल निगम प्रबंधक ने बताया गया कि विकासखंड नटेरन के सभी ग्रामों को तीन नल जल योजना से शत प्रतिशत ग्रामों में पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य चल रहा हे सगड़ हिनोतिया माली परियोजना से नटेरन जनपद के 109 ग्रामों में पेयजल पहुंचाया जा रहा हे इन ग्रामों में 1 जनवरी 2026 से 10 वर्ष का अनुबंध हे जिसमें 10 वर्ष ठेकदार कॉन्ट्रैक्टर का रख रखाव रहेगा बही संजय सागर नहरयाई से एवं लेटेरी से शेष ग्राम में पानी पहुंचाने हेतु कार्य चल रहा है।जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी ने बताया कि नटेरन मुख्यालय एक बडा ग्राम हे जिसमें सगड़ डेम से पानी आता हे लेकिन जल जीवन मिशन अंतर्गत हिनोतिया माली परियोजना से ग्राम में शत प्रतिशत नलों ने पानी नहीं पहुंचता हे और 50 प्रतिशत ग्राम में पंचायत को मोटर ट्यूबल के माध्यम से पेयजल सप्लाई हो रहा हे।इसलिए नटेरन के आधे ग्राम को संजय सागर नहरयाई से भी जोड़ा जाए जिसकी लाइन पास में ही 300 मीटर की दूरी ग्राम चमराहा तक संजय सागर नहरयाई परियोजना की लाइन आई है। एस डी एम अजय प्रताप सिंह ने जल निगम एवं पी एच ई के अधिकारियों को गर्मी से पूर्व ग्रामो में कार्य पूर्ण कर पेयजल पहुंचने के निर्देश दिए आदिवासी बस्तियों में भी पेयजल को लेकर कोई परेशान न हो,सरपंचों ने भी पेयजल संबंधित समस्याओं से अबगत कराया।बैठक में एसडीएम अजय प्रताप सिंह विधायक प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी मुख्य कार्यपालन अधिकारी गगन बाजपेई यीशु मंडराई प्रबंधक जलनिगम, रवीना धाकड़ प्रबंधक जनसहभागिता, दीपक शाह सहायक यंत्री बीआरसी ईश्वरी प्रसाद शर्मा,आशीष कुमार जैन सरपंच महेश यादव सरपंच शिवकुमार यादव, लाखन सिंह,आदि मौजूद रहे

महिला सुरक्षा व साइबर जागरूकता को लेकर महिलाओ को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रवस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारीगण के नेतृत्व में जनपद ब्रावस्ती में मिशन शक्ति फेजा 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान, आत्मनिर्भरता तथा साइबर अपराधों से प्रभावी बचाव को लेकर व्यापक एवं सतत कार्यवाही की जा रही है। महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्राओं के सुरक्षित एवं निर्भीक आवागमन को सुनिश्चित करने हेतु जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में एंटी रोमियो टीमों को सक्रिय रूप से तैनात किया गया है। टीमों द्वारा बाजारों, शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों, पार्कों, बस स्टैंडों एवं प्रमुख चौराहों पर नियमित गश्त करते हुए आपत्तिजनक गतिविधियों पर त्वरित वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों की संवेदनशील एवं सशक्त उपस्थिति से महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हुई है तथा पुलिस के प्रति विश्वास में निरंतर वृद्धि हुई है। साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया उत्पीड़न, साइबर स्टॉकिंग एवं डिजिटल ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं ऑनलाइन माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान ईव-टीजिंग की रोकथाम, गुड टचझबैड टच, महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित कानूनों तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग की जानकारी दी गई। महिलाओं एवं बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता हेतु 1090 धूमेन पावर लाइन, 112 पुलिस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 108/102 स्वास्थ्य सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन एवं 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही जनपद के समस्त थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम पंचायत गताझलकुई के सचिव के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, जनपद पंचायत खनियांधाना की ग्राम पंचायत गताझलकुई में प्रधानमंत्री जनमन आवासों के निर्माण कार्य में अनियमितता तथा मनरेगा योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की मजदूरी राशि में हेराफेरी किए जाने के आरोपों के आधार पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत खनियांधाना द्वारा संबंधित सचिव जीवन सिंह यादव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई थी। प्रकरण की विवेचना उपरांत अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), अनुभाग पिछोर द्वारा सचिव के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति अपेक्षित की गई। इस संबंध में कार्यालय जिला पंचायत, शिवपुरी द्वारा 19 फरवरी 2026 को अभियोजन की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

24 घंटे में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार; खाटू श्याम मंदिर की दान पेटी चोरी भी कबूली

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, थाना देहात पुलिस ने होटल ढाठ वाट के पास स्थित एक दुकान में हुई चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में चार माह पूर्व गुना बायपास स्थित खाटू श्याम मंदिर की दान पेटी चोरी करना भी स्वीकार किया है।

पुलिस के अनुसार 18 फरवरी की रात अज्ञात चोर ने दुकान का शटर तोड़कर नगदी व सामान पार कर दिया था। इस संबंध में थाना देहात में अपराध क्रमांक 60/2026 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास यादव ने टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर 20 फरवरी को इंडस्ट्रियल एरिया में एक संदिग्ध व्यक्ति को चोरी के सामान के साथ पकड़ा गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सुखदेव धाकड़ (25) निवासी ग्राम कुदौनिया गणेश, थाना तेंदुआ, जिला शिवपुरी बताया। आरोपी चोरी का सामान बेचने की फिराक में था। पूछताछ में उसने चार माह पूर्व गुना नाका स्थित खाटू श्याम मंदिर की दान पेटी चोरी की वारदात को भी स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी से चोरी गया सामान एवं नगदी बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी उससे पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में थाना फिजीकल व कोतवाली क्षेत्र में भी चोरी की वारदातों में संलिप्त रहा है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विकास यादव सहित प्रधान आरक्षक केशव सिंह राजावत, दीपचंद्र तथा आरक्षक सचेन्द्र शर्मा, शकील खान, बदन सिंह, मिथुन, अरुण मेवाफरोस, बलवीर सिंह, नाहर सिंह एवं प्रमोद कुशवाह की सराहनीय भूमिका रही।

योगी ने माता प्रसाद की चुटकी ली: बोले- आप पर चच्चू का प्रभाव आ गया है, यूपी पर उधार की बात बता रहे

यूपी विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री Yogi Adityanath ने सदन को संबोधित किया। उन्होंने सत्ता और विपक्ष के बीच हुई सार्थक चर्चा के लिए सभी सदस्यों का आभार जताया। साथ ही नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर चुटकी लेते हुए कहा कि शिवपाल यादव का श्राप उन्हें न बजट सत्र के दौरान सीएम योगी ने कहा, 1 सारे विभाग उसी हिसाब से तैयार होते हैं कल 4 मंत्रालय के साथियों ने कार्य अनुदान बात है।सीएम ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद की से आंकड़ो में घाल-मेल नहीं करेंगे। लेकिन प्रभाव आ गया है। आप यूपी पर उधार की है। 2016-17 में 4.39 था, आज की समय पहले से बहुत अच्छा है। इसीलिए हर बैंक लगे, इसके लिए लगातार प्रयास चल रहा-

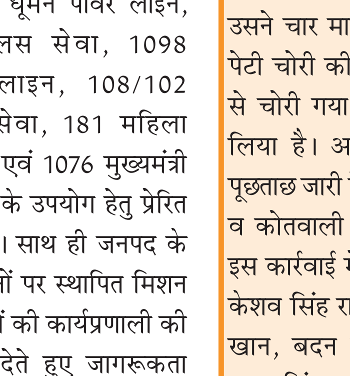

लगे और वे स्वस्थ रहें। यूपी विधानसभा के मार्च को जब नया वित्तीय वर्ष शुरू होता है तो और वह पूरे साल की रणनीति बना लेते हैं। को लेकर सदन में अपनी बात रखी। यह अच्छी चुटकी लेते हुए कहा, वे अपनी उम्र के हिसाब संगत का प्रभाव होता है, लगता है कि चच्चू का बात बता रहे, मुझ लगता है कि यह सच नहीं में 2.9 फीसदी है। मतलब हमारा वित्तीय प्रबंधन यूपी पर भरोसा करता है। यूपी का पैसा यूपी में सीएम योगी ने कहा, हमने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाया। इससे प्रदेश की वित्तीय स्थिति सुधरी। जब हम किसी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पैसे लगाते हैं। तो वह पैसे वापस देता है, रोजगार जनरेट होता है। यूपी का पैसा यूपी में लगे, इसके लिए लगातार प्रयास चल रहा है। जिस राज्य के पास एमएसएमई का पावर होगा, वह राज्य अग्रणी होगा। मेरठ के ब्रास, गोरखपुर का टेराकोटा, आजमगढ़ की ब्लैक क्राकरी, भदोही की कालीन समेत यूपी के अन्य जिलों के उत्पादों को वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट से आगे बढ़ाया। हमने विश्वकर्मा श्रम सम्मान से टूल किट वितरित किया। आप सच्चे समाजवादी हैं सपा विधायक माता प्रसाद पांडेय को लेकर सीएम योगी ने कहा- आप सच्चे समाजवादी हैं, समाजवादी विचारधारा के साथ चले, वो अलग बात है कि आपके साथ शिवपाल जी जैसे लठैत ने भी चलने की कोशिश की। आपने कुछ जनपदों की पहचान ऐसी बना दी थी, कि लोग होटल में कमरा नहीं देते थे, लेकिन हम लोगों ने व्यवस्था बदली, परसेप्शन बदल गया। आज लोग कहते हैं, अच्छा आप यूपी से आए हैं।

Limited space? Make your balcony lush with these 10 hanging plants.

If you have limited space on your balcony but still want to plant plants, planting them in hanging baskets is a good option. They enhance the beauty of your balcony and bring a positive vibe

to your home. Planting plants on atmosphere. For limited space, is a good option. Some plants thrive times, when gardening space is pots have emerged as a great option. plants hanging from a height give the plants also help create a fresh and beautiful and low-maintenance some of the best plants to help. Let's Balcony: Petunia - This plant comes purple, red, and white. Its vines hang hanging baskets. It loves sunlight and Money Plant - Popular for greenery to grow in hanging baskets. Its vines beauty. Portulaca - Also known as Therefore, it doesn't require much attractive. String of Pearls - A unique rounded leaves look stunning in plant grows well in shade. Its deep balcony walls. Geranium - The fragrant. This plant stays green even lively. Lavender - It not only looks mind. It also attracts bees and

your balcony also creates a positive planting plants in hanging baskets or pots rapidly with minimal care. In today's becoming increasingly limited, hanging They not only save space, but the lush green balcony a fresh look. Furthermore, these positive atmosphere. If you're looking for plants to decorate your balcony, here are learn about them. Plants to Plant in the in a variety of colors, including pink, downward, making it a perfect plant for its flowers remain in bloom for a long time. and positive energy, the money plant is easy dangle from balcony railings, adding to the moss rose, this plant is drought-tolerant. care, and its colorful small flowers are quite and stylish ornamental plant, its pearl-like hanging pots. English Ivy - This vine-like green leaves provide a natural covering for flowers of this plant are very colorful and in summer and makes the balcony look beautiful, but its fragrance also calms the butterflies. Fuchsia - Its earring-like

flowers look beautiful in hanging baskets. It grows well in light shade. Spider Plant - This plant is known to purify the air. Its white-green striped leaves look very beautiful in hanging pots. Lemon Balm - This fragrant herb not only adds fragrance to the balcony but is also helpful in teas and home remedies.

If you have kidney problems, keep an eye on your mental health as well, a new study warns.

A new study has revealed that chronic kidney disease seriously impacts not only physical health but also intellectual capacity. Chronic kidney disease severely impacts intellectual capacity.

High blood pressure links kidney disease to brain often think of kidney disease as limited to physical function, research, chronic kidney disease can seriously impact not connection between the kidneys and the brain - published Open - found that as chronic kidney disease progresses, a people suffering from this disease have difficulty In fact, in chronic kidney disease, the kidneys are unable to impact on the brain. Often, we consider kidney disease to shocking discovery. According to the research, chronic our intellectual capacity. The deep connection between the Medical Association Network Open, found that as chronic to decline. Researchers found that people suffering from this speed also slows down. In fact, in chronic kidney disease, time, which has a negative impact on the brain. Often, we new study has revealed a shocking discovery. According to the body but also our intellectual capacity. There is a deep published in 'The Journal of the American Medical progresses, the intellectual capacity of a person starts disease have difficulty in concentrating on any work and

dysfunction. Kidney patients are at higher risk of dementia. We but a new study has made a startling discovery. According to only the body but also our intellectual capacity. The deep in The Journal of the American Medical Association Network person's intellectual capacity declines. Researchers found that concentrating on tasks and their work speed also slows down. purify the blood properly for a long time, which has a negative be limited to physical function, but a new study has revealed a kidney disease can seriously affect not only the body but also kidneys and the brain - published in The Journal of the American kidney disease progresses, a person's intellectual capacity begins disease have difficulty concentrating on a task and their work the kidneys are unable to purify the blood properly for a long consider kidney disease to be limited to physical function, but a research, chronic kidney disease can seriously affect not only connection between the kidney and the brain. This research Association Network Open' found that as chronic kidney disease declining. Researchers found that people suffering from this their working speed also slows down. Actually, in chronic kidney

disease, the kidneys are not able to purify the blood properly for a long time, which has a negative effect on the brain.

Don't rely solely on exercise for joint pain; research reveals a shocking truth

We often hear that regular exercise is the cure for all ailments, but when it comes to osteoarthritis, this notion proves completely untrue. A recent large study has revealed that the relief

provided by exercise is very limited. Exercise is not Research conducted on over 12,000 people. We've osteoarthritis and think that exercise alone will this long-held belief. Yes, the study clearly shows expected. Exercise is not a panacea A report that exercise is considered the primary treatment that the reduction in pain and improvement in put, relying solely on exercise is not enough for including five systematic reviews and 28 results with placebo (sham treatment), usual care, on different body parts? The study examined the relief for knee osteoarthritis, but this effect was The effect of exercise on hip pain was found to be Exercise will not always work. The research medications, steroid or hyaluronic acid injections,

a panacea for osteoarthritis. The relief provided by exercise is temporary and limited. been hearing the saying "exercise, stay healthy" since childhood, but if you suffer from eradicate your disease, you need to think again. A new study by German scientists has shaken that exercise is not a panacea for joint pain, and the relief it provides is much less than published in Rheumatic and Musculoskeletal Diseases Open challenges the medical belief for osteoarthritis. Researchers from the University of Bochum, Germany, have clarified physical capacity achieved by exercise is not only temporary but also very limited. Simply osteoarthritis patients. To reach this conclusion, researchers analyzed a large body of data, randomized treatment trials involving more than 12,000 people. When comparing exercise or doing nothing, the effects were either negligible or very short-lived. What were the effects effects of exercise on various body parts in detail: Knee: Exercise did provide some pain small and short-lived. Furthermore, the accuracy of this evidence was found to be low. Hip: almost negligible. Hand: The benefits of exercise were also very limited for hand osteoarthritis. compared exercise with other treatments, such as patient information, manual therapy, pain and keyhole surgery. In particular, when looking at long-term outcomes, knee osteotomy

and joint replacement were found to be more effective than exercise. Single trials showed that exercise cannot compete with these surgical procedures in severe cases. What is osteoarthritis? If you're unfamiliar with this condition, osteoarthritis is a chronic, debilitating joint disease. It involves the breakdown of the cartilage that protects the joints and the bones that support them. Its main symptoms include: excruciating pain, stiffness in the joints, and decreased ability to move. This disease primarily affects the hands, knees, hips, and spine.

Will OTT change the fate of children? When and where will the new series be released?

Actor Vineet Kumar Singh's new web series, Hello Bachche, was recently announced. Now, along with a new teaser, the release date of this upcoming series has also been revealed. A new teaser of the web series Hello Bachche has surfaced. Makers have released the release date of the web series - Vineet Kumar Singh's series will stream on this platform. A few days ago, actor Vineet Kumar Singh's upcoming web series, Hello Bachche, was officially announced. The series was announced along with the first look, and now the makers have released a new teaser for Hello Bachche. In addition, the release date of the series has also been revealed. So, let's find out when and where Vineet Kumar, who won the hearts of fans with films like Chhawa and Jaat, will stream his upcoming web series, Hello Bachche, on OTT. When and where will Hello Bachche arrive? The Vineet Kumar Singh-starrer Hello Bachche web series has been the subject of much discussion for quite some time. In this series, he will be seen playing the role of a teacher, preparing children for competitive exams like NEET and JEE. Evidence of this can be seen in the latest teaser of Hello Bachon, which was shared on social media by the popular OTT platform Netflix on Tuesday. This teaser of Hello Bachon features some children who have big dreams but face challenges due to their financial situation. How these children then pursue their careers and how Vineet, as a teacher, helps them will be the core focus of the series. Overall, the teaser of Hello Bachon is quite impressive, and the series is likely to be a hit with today's Gen Z. Regarding the release date of Hello Bachon, it will stream online on the OTT platform Netflix next month, March 6, 2026. A glimpse of Alakh Pandey will be seen - Hello Bachon is also being seen as a biopic of Physics Wala founder and teacher Alakh Pandey. Vineet Kumar Singh is believed to be playing his role in the series. You can see how he has transformed the level of education in the country in Hello Children. The series will also feature a glimpse of Alakh Pandey.

An 11-year-old film is making waves on Netflix, with a unique love story trending in the top 5.

An old film, released in theaters 11 years ago, is trending in the top 5 on the OTT platform Netflix. Let's find out which movie with an interesting story is making waves on Netflix. An old film has made its mark on Netflix, released in theaters 11 years ago - a great dose of comedy in an interesting love story. Netflix is ??the only OTT platform where new and old films and web series remain trending daily. This is why cinephiles overwhelmingly prefer Netflix for entertainment. Currently, an 11-year-old film is trending in the top 5 on Netflix, with a story that audiences loved. Released in theaters in 2015, this film was a commercial hit and is now trending on Netflix. Let's find out which movie is being discussed here. An old film takes over Netflix - The film being discussed in this article has a 1 hour 50 minute running time. The film was produced under the banner of Yash Raj Films, a major Hindi cinema production house, and was a box office hit. The story revolves around a man who is married to an overweight woman. He is unhappy with his married life and wants to separate from his wife. When his wife discovers this, she leaves her in-laws' home and returns to her parents' home, seeking a divorce. The marriage is on the verge of breaking, but then something happens that sparks love between them, making the story even more interesting. Actor Ayushmann Khurrana and actress Bhumi Pednekar play the lead roles in the film. By now, you must have understood that the film being discussed here is Dum Laga Ke Haisha. Dum Laga Ke Haisha, which created a stir at the box office, is currently trending at number five on the OTT platform Netflix. Dum Laga Ke Haisha is also a topper in IMDb ratings - You can easily get an idea of ??the wonderful story of the film Dum Laga Ke Haisha through its IMDb rating. This movie has got a great rating of 7.5/10 from IMDb, which is enough to tell that Dum Laga Ke Haisha is a must watch film.

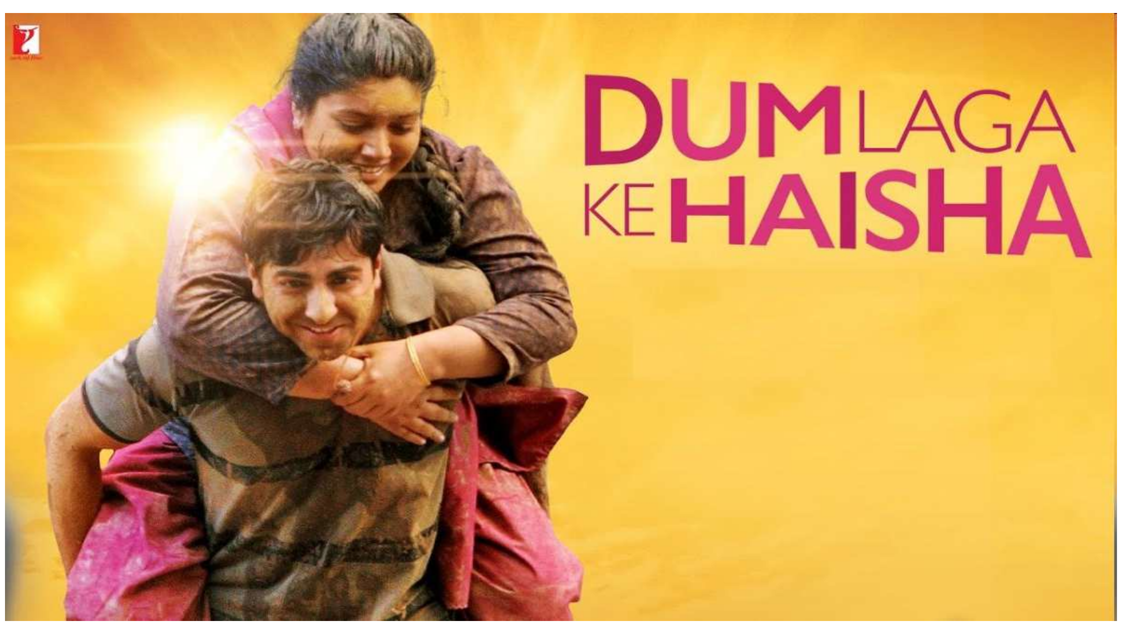

Despite being the father of four children, Salim Khan married Helen for the second time.

Film writer Salim Khan's name has become a topic of discussion due to his poor health. Meanwhile, we're going to tell you about Salim and Helen's marriage and why Salman Khan's father married again. Salim Khan married Helen for the second time. This is why the film writer married Salim Khan for the second time. Sholay film writer Salim Khan was hospitalized on Tuesday after his health suddenly deteriorated. Salim Khan is undergoing treatment at Lilavati Hospital in Mumbai and his condition remains stable. Meanwhile, interesting stories related to the life of superstar Salman Khan's father are being widely discussed. Among them, Salim Khan's second marriage to actress Helen has always been a highlight. Meanwhile, we're going to tell you why Salim Khan married Helen despite being previously married and the father of four children. Why Salim Khan Married Helen: The marriage of film writer Salim Khan and Helen has always been a topic of discussion in the film industry. In an earlier interview with Zoom TV, Salim Khan spoke openly about the matter, saying, "The decision to marry Helen wasn't made suddenly. It wasn't that I wasn't happy in my first marriage. But my first wife, Salma, was the one I first told her I loved her. Before she found out about this relationship through gossip magazines or anyone else, I told her myself. Furthermore, I confessed to my children that there was someone else in my life. I want you all to respect her like your own mother. It was very important to be honest in relationships. I could have lived with Helen without marriage; perhaps she wouldn't have objected, but my religion allowed me to remarry. I wanted to give her status. That's why I married her." This is how Salim Khan revealed the real reason for his second marriage with Helen. Let us tell you that when Helen and Salim got married, Salman Khan and his other siblings were very young. Salim Khan and Helen first met on the sets of the movie Kabuli Khan. In this movie, Helen played the lead actress, while Salim was seen in the role of a villain.